राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 21 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-325 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

गैस टैंकर में हुआ ब्लास्ट 9 की मौत, 35 से ज्यादा लोग घायल

सीएम ने घटना पर जाकर ली जानकारी, भजनलाल ने किया मुआवजे का ऐलान, मृतकों के परिजनों को 5 लाख और घायलों को 1 लाख रुपए

जयपुर ।

जयपुर के भांकरोटा क्षेत्र में शुक्रवार अल सुबह एक गैस टैंकर में ब्लास्ट के बाद लगी आग की घटना में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि, 35 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं हादसा डीपीएस कट के पास उस समय हुआ जब एक ट्रक ने सीएनजी गैस से भरे टैंकर को टक्कर मार दी. इसके बाद गैस टैंकर में ब्लास्ट हो गया. हादसे बाद आग देखते ही देखते अन्य वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया. घटना को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता की घोषणा की है. सीएम ने मृतकों को 5 - 5 लाख और घायलों को एक - एक लाख रुपए की आर्थिक राशि देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने आदेश जारी करते हुए कहा कि अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैस टैंकर में आग लगने की घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है अथाह शोक की इस घड़ी में हमारी सरकार द्वारा मृतकों के परिवार को 5 लाख रुपए और घायलों को 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है. इसके अतिरिक्त, घायलों के समुचित और त्वरित उपचार को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सीएनजी गैस टैंकर में विस्फोट के बाद आसपास के क्षेत्र में आग ने विकराल रूप ले लिया. करीब 40 से ज्यादा वाहन चपेट में आ गए. बड़ी मस्कत के बाद कई दमकलों ने आग पर काबू पाया. घटना के बाद पुलिस ने इस हादसे के बाद हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं, जिन पर लोग जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. पुलिस की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर 9166347551, 8764688431, 7300363636 हैं। घटना की जानकारी सामने आने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सुबह पहले एसएमएस अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की. साथ ही अस्पताल प्रशासन को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दिशा निर्देश जारी किए. इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भांकरोटा स्थित घटनास्थल पर भी पहुंचे थे. जहां पर

उन्होंने मौका मुआयना किया और घटना की स्थिति के बारे में जानकारी ली. इस दौरान सीएम भजन लाल शर्मा ने भविष्य में इस तरह की घटना नहीं हो इसको लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए. साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए भी कहा. सीएम के साथ उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम भी मौके पर घटना की जानकारी लेने पहुंचे थे।

पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा में भगदड़

मेरठ । मेरठ में शुक्रवार को मशूहर पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के दौरान भगदड़ मच गई। भगदड़ में कई महिलाएं और बुजुर्ग दबकर घायल हो गए। कहा गया है कि कथा के दौरान भीड़ बेकाबू होने से भगदड़ मची। हादसे में घायलों को इलाज के लिए भेजा। बता दें कि शुक्रवार को कथा का छठा दिन है। शनिवार को कथा का अंतिम दिन होगा। इसके कारण शुक्रवार को लाखों की संख्या में भक्तों की भीड़ जमा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार कथा में पहुंचने वालों की भीड़ बेकाबू हो रही थी। इसके बाद वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों ने रोकने की कोशिश की। लोगों ने पहले, धक्का-मुक्की शुरू की इसके बाद वहां भगदड़ मच गई। इसी दौरान धक्का-मुक्की के बीच कुछ लोग गिर गए। पिछले 6 दिनों से चल रही कथा में रोज एक लाख से अधिक लोग पंडित मिश्रा को सुनने के लिए पहुंच रहे हैं। पुलिस बल पहले से ही पंडाल और उसके आस-पास तैनात है। भगदड़ की जानकारी होते ही पुलिस और प्रशासन अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि हादसे में कई महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग घायल हुए। भगदड़ में आधा दर्जन महिलाएं चोटिल हुईं। सभी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को काबू किया। फिलहाल स्थिति सामान्य है। साथ ही मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंच गई है।

पीएम मोदी आज जाएंगे दो दिवसीय कुवैत यात्रा पर

नई दिल्ली। इजरायल-हमास युद्ध के चलते खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 और 22 दिसंबर को कुवैत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने यात्रा संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि पीएम मोदी कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निमंत्रण पर कुवैत जा रहे हैं। इस दौरान उनकी कुवैत के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत होगी, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा बनाने पर जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। यह यात्रा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि बीते चार दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया यह पहला कुवैत दौरा है। भारत और कुवैत के बीच ऐतिहासिक और आर्थिक संबंधों के अलावा दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संपर्क हैं। कुवैत भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और वहां बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय रहते हैं, जो दोनों देशों के रिश्तों को और सुदृढ़ बनाते हैं। प्रधानमंत्री की इस यात्रा से राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग के नए आयाम जुड़ने की उम्मीद है।

संजय राउत के घर की रेकी, बाइक सवार युवकों की तलाश में मुंबई पुलिस

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के घर की रेकी का मामला सामने आया है। सांसद राउत के परिवार का आरोप है कि बाइक पर सवार दो लोग उनके घर की रेकी करने आए थे। ये दोनों व्यक्ति हेलमेट और मास्क पहने हुए थे और उनके घर की तस्वीरें भी लीं। राउत के परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। संजय राउत के भाई और शिवसेना (यूबीटी) विधायक सुनील राउत ने बताया कि भांडुप इलाके में स्थित संजय राउत के घर के पास दो बाइक सवार युवकों ने 20 दिसंबर की सुबह रेकी की। दोनों बाइक सवारों ने घर की तस्वीरें लीं, इस लेकर राउत परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बात दें कि राउत अक्सर अपने बयानों के कारण सुर्खियों में रहते हैं। वह 15 नवंबर 1961 को अलीबाग, महाराष्ट्र में जन्मे थे और उनकी शिक्षा मुंबई विश्वविद्यालय से हुई है। राउत की शादी वर्षा राउत से 1993 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं।

संसद में धक्का-मुक्की विवाद स्पीकर के पास सुलझाया जाना चाहिए

-सपा प्रमुख अखिलेश ने राहुल गांधी पर एफआईआर होने पर दिया बयान

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर दर्ज होने पर कहा कि यह विवाद संसद के स्पीकर के पास सुलझाया जाना चाहिए था। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कहा कि इससे डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान हुआ है। उन्होंने मांग की कि अमित शाह को माफी मांगनी चाहिए और अपने बयान को वापस लेना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर सिर्फ समाजवादियों के नहीं, बल्कि हर समाज के लिए पूजनीय हैं। गांव-गांव में लोग उन्हें भगवान की तरह मानते हैं। इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना गलत है। माफी मांगने वाला व्यक्ति बड़ा होता है, और सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी एक सुनियोजित मॉडल पर काम करती है। पहले असंवैधानिक और गैरकानूनी काम करती है, और जब लोग विरोध करते हैं, तो शासन और प्रशासन का दुरुपयोग कर उनके खिलाफ कार्रवाई करवाती है। सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि हम सभी को यह समझना चाहिए कि विवाद का समाधान संवाद से ही संभव है।

अब कोई भी राजनीतिक दल संसद भवन के द्वार पर नहीं करेगा धरना या प्रदर्शन

-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा- सदन की गरिमा का रखें ख्याल

नई दिल्ली।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को सदन में घोषणा करते हुए कहा कि कोई भी राजनीतिक दल, संसद सदस्य या सदस्यों का समूह संसद भवन के द्वार पर धरना या प्रदर्शन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि संसद परिसर और उसकी प्रतिष्ठित संस्था की गरिमा को बनाए रखना सभी सांसदों की जिम्मेदारी है।

अध्यक्ष बिरला ने कहा कि संसद क्षेत्र में किसी भी दरवाजे पर धरना-प्रदर्शन करना सही नहीं है। अगर कोई सदस्य या समूह ऐसा करता है, तो इसका असर उनकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। इस प्रकार की गतिविधियों से सदन की कार्यवाही और संसद की गरिमा को नुकसान पहुंचता है, जिससे लोकतंत्र की भावना प्रभावित होती है।

उन्होंने सांसदों ने आग्रह किया कि वह सदन की गरिमा बनाए रखें और किसी भी प्रकार के प्रदर्शन से बचें। उन्होंने सांसदों की जिम्मेदारी याद दिलाते हुए कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है, और इसका सभी को आदर करना चाहिए। बता दें गुरुवार को संसद भवन परिसर में हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान बीजेपी के दो सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत सीढ़ियों से गिरकर चोटिल हो गए थे। बीजेपी सांसदों का आरोप है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उन्हें धक्का

दिया। हालांकि, कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। इस घटना पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दोनों चोटिल सांसदों का हालचाल भी जाना था। धक्का-मुक्की कांड पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा था कि राहुल गांधी बीआर आंबेडकर की फोटो लेकर शांति पूर्वक जय भीम के नारे लगाते हुए संसद में जा रहे थे। संसद में जाने से किसने रोका? हम इतने दिनों से साइड में प्रदर्शन कर रहे हैं। जो भी आ रहा है, जा रहा है, उसके लिए पूरा रास्ता है। इन्होंने पहली बार प्रदर्शन किया और सबको रोक दिया, धक्का-मुक्की और गुंडागर्दी की। अमित शाह को बचाने के लिए यह साजिश हुई है।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री शाह ने की जम्मू-कश्मीर पर उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक

जम्मू ।

गत दिवस केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर पर एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक बुलाई थी। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक (आई.बी.), रॉ प्रमुख, सेनाध्यक्ष, जी.ओ.सी.-इन-सी (उत्तरी कमान), डी.जी.एम.ओ., जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव और डी.जी.पी., सी.ए.पी.एफ. के प्रमुख और गृह मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे।

बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2025 में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुरक्षा एजेंसियों के साथ चर्चा कर हालात का जायजा लिया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शाह ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए समन्वित तरीके से काम करना जारी रखने का निर्देश भी दिया। साथ ही मंत्री ने एरिया डोमिनेशन प्लान और जीरो टैरर प्लान को मिशन मोड में लागू करने पर जोर दिया। बैठक को संबोधित कर शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरैंस नीति के अनुरूप हम जल्द से जल्द 'आतंक मुक्त जम्मू-कश्मीर' का लक्ष्य हासिल करना और इसके लिए सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सभी सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर पूर्ण प्रभुत्व स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शाह ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर के लोगों की अभूतपूर्व भागीदारी यह दिखाती है कि उन्हें देश के लोकतंत्र में पूरी आस्था है।

बीजेपी सांसद ने प्रियंका गांधी वाड्रा को दे दिया 1984 लिखा हुआ बैग

नई दिल्ली ।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बैग इन दिनों चर्चा के केंद्र में हैं। वे लगातार संसद में नए-नए बैग लेकर आ रही हैं, जिन पर विभिन्न राजनीतिक संदेश और प्रतीक बने हेता हैं। कभी अडानी, कभी बांग्लादेश लिखा बैग, इन बैग्स ने काफी सुर्खियां बटोरी हैं। अब इस मुद्दे में एक नया मोड़ आया है, दरअसल बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी ने प्रियंका गांधी वाड्रा को एक खास बैग गिफ्ट किया। बीजेपी सांसद अपराजिता ने प्रियंका गांधी वाड्रा को जो बैग दिया, जिस पर 1984 लिखा हुआ था। इस बैग पर खून के छींटे भी दिखाए गए हैं, जो 1984 के सिख दंगों की याद

दिलाते हैं। अपराजिता ने कहा कि प्रियंका गांधी हमेशा नए बैग लेकर संसद आती हैं, इसलिए उन्होंने सोचा कि उन्हें एक बैग गिफ्ट करें, जो 1984 के दंगों से जुड़ा हो।

प्रियंका गांधी ने अपराजिता के दिए बैग को स्वीकार किया, लेकिन इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। यह बैग प्रियंका के बैग्स के सिलसिले में एक नया अध्याय जोड़ता है। इसके पहले, प्रियंका गांधी 10 दिसंबर को मोदी अडानी भाई-भाई लिखे बैग के साथ संसद पहुंची थीं, और 16 दिसंबर को उन्होंने फिलिस्तीन लिखे बैग के साथ समर्थन जताया था।

योगी का विरोधियों को जबाव, संभल हिंसा में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

अयोध्या ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर-मस्जिद विवाद पर बड़ा बयान दिया है। अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि यदि हमें विश्व मानव सभ्यता को बचाना है, तब सनातन धर्म का सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मनीषियों ने वसुधैव कुटुम्बकम का सिद्धांत दिया था, और सनातन धर्म ही ऐसा धर्म है जिसने कठिन समय में अन्य धर्मों और मतों को शरण दी। सीएम योगी ने भारतीय इतिहास में हिंदू मंदिरों को बार-बार तोड़ने का जिक्र किया। उन्होंनेकहा, क्या कभी हिंदुओं के साथ ऐसा हुआ? क्या हुआ बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में? कभी काशी विश्वनाथ धाम, कभी अयोध्या में, कभी संभल में, तब कभी भोजपुर में हर समय हिंदुओं के मंदिरों को तोड़ा गया।

योगी ने इतिहास के विवादास्पद शासक औरंगजेब पर भी कड़ा हमला किया। उन्होंने कहा, औरंगजेब का खानदान अब कोलकाता के पास रिक्शा चला रहा है।

अगर उसने ईश्वर की दुर्गति नहीं की होती, तब उसकी औलादों को ये दिन नहीं देखना पड़ता।

इस दौरान सीएम योगी ने हाल ही में हुई संभल हिंसा पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 1947 से अब तक संभल में 209 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है, और जिन लोगों ने कभी इस मुद्दे पर आवाज नहीं उठाई, वे अब मारे गए लोगों के लिए आंसू बहा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संभल हिंसा में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

29 और 30 दिसंबर को ओडिशा के दौरे पर जा सकते हैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

भुवनेश्वर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के माह के अंतिम सप्ताह में ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर आने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री शाह अपनी यात्रा के दौरान भाजपा के कई कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं। सामल ने कहा कि शाह के विस्तृत कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री 29 और 30 दिसंबर को ओडिशा में रहने वाले है। शाह का भुवनेश्वर में भाजपा विधायकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने और राज्य में संगठनात्मक चुनावों की प्रगति की समीक्षा करने का कार्यक्रम है। शाह द्वारा नए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव पर भी चर्चा करने की संभावना है। सामल को इस साल संपन्न हुए आम चुनाव के मद्देनजर अंतरिम व्यवस्था के तौर पर पिछले साल 23 जनवरी को पार्टी की राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अब पार्टी जनवरी में अपना नया अध्यक्ष चुनेगी।

वन नेशन वन इलेक्शन बिल के लिए जेपीसी गठित

नई दिल्ली । लोकसभा के बाद शुक्रवार को राज्यसभा में भी वन नेशन वन इलेक्शन बिल के लिए जेपीसी गठित की गई है। जेपीसी में लोकसभा के 27, वहीं राज्यसभा के 12 सदस्यों को शामिल किया गया। इसके पहले एक देश एक चुनाव को लोकसभा में पेश किया गया था। विपक्ष के भारी हंगामे और वोटिंग की गई थी। वोटिंग के बाद आए नतीजों के बाद बिल को जेपीसी में भेजा गया था। राज्यसभा में जेपीसी के गठन के बाद सदन को अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा से जेपीसी में सदस्यों में घनश्याम तिवारी, भुवनेश्वर कलिता, के लक्ष्मण, कविता पाटीदार, संजय कुमार झा ,रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक, साकेत गोखले, पी विल्सन, संजय सिंह, मानस रंजन मनग्रास, वी विजय साईरेड्डी का शामिल है। वहीं लोकसभा से जेपीसी में शामिल सदस्यों की लिस्ट में पी.पी. चौधरी, डॉ. सी.एम. रमेश, बांसुरी स्वराज, परषोत्तमभाई रूपाला, अनुराग सिंह ठाकुर, विष्णु दयाल राम, भरतृहरि महताब, डॉ. संबित पात्रा, अनिल बलूनी, विष्णु दत्त शर्मा, बैजयंत पांडा, डॉ. संजय जायसवाल, प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी, सुखदेव भगत, धर्मेंद्र यादव, छोटेलाल, कल्याण बनर्जी, टी.एम. सेल्वगणपति, जी.एम. हरिष बालयोगी, अनिल यशवंत देसाई, सुप्रिया सुले, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शंभवी, के राधाकृष्णन, चंदन चौहान, बालशवोरी वल्लभनेनी शामिल है।

वहीं बीजेपी सांसद भरतृहरि महताब वन नेशन वन इलेक्शन बिल के लिए गठित जेपीसी के अध्यक्ष बने है। पहले इसमें लोकसभा से 21 सदस्यों और राज्यसभा से 10 सदस्यों को नामित किया गया था। इसे बाद में लोकसभा के

27 और राज्यसभा के 12 सदस्यों में बदल दिया गया। जेपीसी में नई सूची के अनुसार, दोनों सदनों से मिलाकर कुल 39 सदस्यों को शामिल किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंतर्राष्ट्रीय गंभीर समस्या भ्रष्टाचार को हटाएं - नया भारत भ्रष्टाचार मुक्त बनाएं

कोर्ट ऑफ कसेशन ने बुधवार को इस मामले पर अपना अंतिम फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया, सजा और दोष अब अंतिम हैं। भारत में कुछ महीनों से नए भारत, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत, प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में झंडे गाड़ रहे भारत, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था इत्यादि अनेक मिशन को लेकर खूब चर्चाएं हो रही है। टीवी चैनलों पर डिबेट हो रहे हैं जो इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं। और हो भी क्यों ना क्योंकि यह विज़न हमारे पीएम का ड्रीम विज़न है। हम अक्सर प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज़न 2047 का जिक्र सुनते हैं, जो हमारे देश के स्वतंत्रत भारत का 100 वाँ साल होगा और हमारे उपरोक्त सभी विज़न का एक डेडलाइन निर्धारित साल है।हम आज से ही इन योजनाओं में सक्रिय हो गए हैं कि 2047 में हमारा भारत कैसाहोगा।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर राजनीतिक भ्रष्टाचारियों को कड़ा संदेश देने के लिए दुनियाँ की न्यायपालिकाएं अब कमर कर चुकी है शायद यही कारण है कि दुनियाँ भर में न्यायपालिकाओं के पर खतरे जा रहे हैं,जिसका सटीक उदाहरण बुधवार दिनांक 18 दिसंबर 2024 को देर शाम फ्रांस के सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले से स्पष्ट होता है,बता दें फ्रांस की सर्वोच्च अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को भ्रष्टाचार और प्रभाव के दुरुपयोग के मामले में दोषी ठहराते हुए उनकी एक साल की जेल की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ऑफ कसेशन ने बुधवार को इस मामले पर अपना अंतिम फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया, सजा और दोष अब अंतिम हैं। भारत में कुछ महीनों से नए भारत, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत, प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में झंडे गाड़ रहे भारत, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था इत्यादि अनेक मिशन को लेकर खूब चर्चाएं हो रही है। टीवी चैनलों पर डिबेट हो रहे हैं जो इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं। और हो भी क्यों ना क्योंकि यह विज़न हमारे पीएम का ड्रीम विज़न है। हम अक्सर प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज़न 2047 का जिक्र सुनते हैं, जो हमारे देश के स्वतंत्रत भारत का 100 वाँ साल होगा और हमारे उपरोक्त सभी विज़न का एक डेडलाइन निर्धारित साल है।हम आज से ही इन योजनाओं में सक्रिय हो गए हैं कि 2047 में हमारा भारत कैसाहोगा। साथियों इस नए भारत में एक बात को प्राथमिकता देना तात्कालिक अनिवार्य है,वह है भ्रष्टाचार को ज़ीरो सहिष्णुता में लाना! क्योंकि यही वह कड़ी है जो प्राथमिकता से सभी योजनाओं, नीतियों और लक्ष्यों को बाधित कर देती है, साथियों जो विकास की योजनाएं चलती है उसमें एक छोटी टेबल से लेकर अंतिम मुख्य टेबल तक का रोल होता है। एक आम आदमी का काम भी एक छोटी टेबल से लेकर मुख्य टेबल तक होता है। परंतु इस बीच में भ्रष्टाचार का दीमक मलाई को चट कर जाता है जिसका दुष्परिणाम आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है,पूरा बोझ इमानदार टैक्सपेयर पर पड़ता है, हमने बुधवार दिनांक 18 दिसंबर 2024 को देर शाम आई रिपोर्ट में देखे कि ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन, जिसमें कॉरपोरेट टैक्स,पर्सनल इनकम टैक्स और एसटीटी शामिल हैं, 19.21 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है,यह पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 20.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।1 अप्रैल से 17 दिसंबर, 2024 के बीच कुल 3.39 लाख करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए हैं,इसे कायम रखने के लिए इस भ्रष्टाचार रूपी दीमक को प्रशासनिक सख्ती, पारदर्शी व्यवस्था और नागरिकों की मुख्य सहभागिता रूपी दवाई से मिटाने में आसानी होगी। हमारे कुछ टेबल वाले अपवाद साथियों को भी सोचना होगा कि, भ्रष्टाचार के नशीले अहसास में रास्ते गलत पकड़ लिये और इसीलिये भ्रष्टाचार की भीड़ में हमारे साथ गलत साथी, संस्कार, सलाह, सहयोग जुड़ते गये। जब सभी कुछ गलत हो तो भला उसका जोड़, बाकी, गुणा या भाग का फल सही कैसे आएगा? तभी भ्रष्टाचार से एक बेहतर हमें अपने परिवार की दुनिया बनाने के प्रयासों के रास्ते में भारी रुकावट पैदा हो रही है, इसका कारण है खोटी कमाई। इसीलिए हम नए भारत, आत्मनिर्भर, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था का भारत बनाने के लिए इस दीमक की बीमारी पर योजना बद्ध तरीके से रणनीतिक रोडमैप बनाकर काम करना होगा ताकि भ्रष्टाचारकी शून्य सहिष्णुता हो सके।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार समाप्त करने पर काम करने की करें तो शासन प्रशासन इस दिशा में अनेक योजनाएं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में 30 सालों के बाद संशोधन कर नए प्रावधान शामिल कर भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 कर उनमें अनेक प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिसमें ऐसी कार्रवाई में व्यक्तिगत और कारपोरेट संस्थानों के लिए भी प्रभावी रोकथाम की व्यवस्था की गई है। परंतु मेरा मानना है कि उसके बाद भी यह दीमक अपनी खुराक बराबर निकाल ही रहा है। साथियों अब समय आ गया है कि इस दीमक के लीकेजेस ढूंढकर उनकी खुराक बंद करने की व्यवस्था की जाए, जो नए और आत्मनिर्भर भारत की नीव के पहियों में से एक साबित होगी। साथियों बात अगर हम अब छोटी से बड़ी टेबल वालों की करें तो अब उनकी भी ज़वाबदारी, जिम्मेदारी का सही, सचेत समय आ गया है कि हमारे पीएम की बात, ना खाऊंगा ना खाने दूंगा, के मंत्र को एकदम गंभीरता से लेकर उसको अमल करना शुरू कर देंगे तो टेबल वालों का भी नए और आत्मनिर्भर भारत बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान माना जाएगा, क्योंकि दीमक को वह अपने पास फटकने ही नहीं देंगे तो दीमक की मृत्यु होना निश्चित है,जिससे शून्य सहिष्णुता का मंत्र हम खुद ही पा लेंगे। साथियों बात अगर हम माननीय केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा अनेकों संबोधनों में भ्रष्टाचारीयों को उल्टा लटकाकर सीधा करने की बात करने की करें तो, 20 सितंबर 2024 केंद्रीय गृह मंत्री ने साहिबगंज से पार्टी की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की इसके सभा को संबोधित किया। प्रदेश में पार्टी की सरकार बनाएं, भ्रष्टाचारियों को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे, परिवर्तन यात्रा पीएम के महान झारखंड विकसित झारखंड के सपने को पूरा करने का मकसद लेकर आई है। परिवर्तन यात्रा झारखंड से घुसपैठियों को निकालने, माता- बहनों को सुरक्षा देने, युवाओं को रोजगार देने, आदिवासी दलित व पिछड़ों का कल्याण करने के लिए आई है। भ्रष्टाचार के मामले पर कहा इन भ्रष्टाचारियों को उल्टा लटका कर सीधा करने का काम करेंगे। मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि इसका क्रियान्वयन शीघ्र तात्कालिक किया जाए, जिसकी अभी से सीधे रणनीति बनाकर टॉपअप से बॉटमअप तक व 747 जिलों से 5410 से अधिक तहसीलों तक पैनी नजर रखकर ऐसा जाल बिछाया जाए,कि एक चपरासी भी 10 रुपए की रिश्वत लेने से डरे! जिस तरह से माननीय गृहमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ बॉडी लैंग्वेज दिखाते हैं वह अब धरातल पर तात्कालिक लाना जरूरी है। साथियों बात अगर हम इस भ्रष्टाचार रूपी दीमक की करें तो यह केवल भारतीय ही नहीं वैश्विक समस्या भी है इसीलिए ही, अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस प्रतिवर्ष पूरे विश्व में मनाया जाता है। 31 अक्टूबर 2003 को संयुक्त राष्ट्र ने एक भ्रष्टाचार विरोधी समझौता पारित किया था और तभी से यह दिवस भी मनाया जाता है। पूरे विश्व में एक समृद्ध, मूल्याधारित समाज को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार को खत्म करना इस दिन का मुख्य उद्देश्य है। इस दिन सम्मेलन, भाषण, रैलियां, प्रदर्शनियां, नाटक आदि कई गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र और संबंधित सदस्य राज्यों के द्वारा भ्रष्टाचार से लड़ने की भावना के साथ आयोजित की जाती हैं। साथियों बात अगर हम केंद्रीय पीएमओ राज्यमंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी पीएम द्वारा दिए गए उस संबोधन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, जिसमें पीएम ने कहा, नया भारत अब भ्रष्टाचार को व्यवस्था के हिस्से के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।मंत्री जी ने कहा कि व्यवस्था को पारदर्शी, सक्षम और दुरुस्त बनाने के प्रयास तेज गति से चल रहे हैं। नए अधिनयम में रिश्वत लेने के साथ-साथ रिश्वत देने को भी अधिनियम में अपराध माना गया है। साथ ही, ऐसी कार्रवाइयों में व्यक्ति और कॉर्पोरेट संस्थाओं के लिए एक प्रभावी रोकथाम की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में अधिक पारदर्शिता, नागरिकों की सहभागिता और जवाबदेही लाना वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता है और इस बात का संकेत देश में उच्च संस्थानों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए लोकपाल की संस्था को संचालित करने की इसकी निर्णायक पहल से मिलता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और बेहिसाब धन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, सरकार द्वारा पिछले वर्षों के दौरान कई पहलें की गई हैं। उन्होंने कहा कि 26 मई, 2014 को पीएम के रूप में शपथ लेने के शीघ्र बाद, पीएम की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की पहली बैठक में काले धन का पता लगाने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि 2014 के बाद से, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में संशोधन, लोकपाल के पद की स्थापित और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एसीसी (नियुक्ति संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति) के निर्णयों समेत सभी सरकारी फैसलों को तत्काल सार्वजनिक करने सहित अनेक सुधार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों के दौरान 15 सव से अधिक कानूनों को समाप्त कर विभिन्न नियमों और विनियमों को सरल बनाया गया।

संपादकीय

बुढ़ापे को बुलावा

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे-मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है।

विश्व ध्यान दिवसः आत्म-साक्षात्कार और विश्व शांति की ओरएक कदम

(लेखिका- डॉ नीलम महेंद्र)

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 दिसंबर से विश्व ध्यानदिवस मनाने की घोषणा एक ऐतिहासिक कदम है। दरअसल मेडिटेशन याध्यान को सदियों से केवल आध्यात्म से जोड़ कर देखा जाता था। लेकिन आज विज्ञान ने यहसिद्ध कर दिया है कि मेडिटेशन का सकारात्मक प्रभाव केवल मानव के मन या मस्तिष्क हीनहीं उसके तन पर भी पड़ता है।

इसलिए 21 जून को योग दिवस मनाए जाने के बाद सम्पूर्ण विश्व में अब 21 दिसंबर को ध्यान दिवस केरूप में मनाने का उद्देश्य योग की हीभांति ध्यान को जन-जन तक पहुंचाना और इसे मानव जीवन के अभिन्न अंग के रूप मेंस्थापित करके एक स्वस्थ विश्व की नींव मजबूत करना है।

वस्तुतः वर्तमान युग में जब मनुष्य तेजी से भागदौड़ औरतनावपूर्ण जीवन जीने के लिए विवश है, ध्यान उसके मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को संतुलित करने का एक सहज, सरल प्राकृतिक साधन बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन केअनुसार, मानसिक स्वास्थ्य सेजुड़ी समस्याएं आज वैश्विक स्तर पर प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन गईहैं। वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 280 मिलियन लोग मानसिक रूपसे पीड़ित हैं और 40ब युवा तनाव और मानसिकअस्थिरता का सामना कर रहे हैं। खास बात यह है कि ध्यान, एक साधारण लेकिनशक्तिशाली प्रक्रिया, इन समस्याओं का प्रभावीसमाधान प्रदान कर सकती है। अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि ध्यान मस्तिष्क मेंडोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे सकारात्मक रसायनों के स्तर को बढ़ाता है, जो तनाव को कम करते हैंऔर मूड को स्थिर रखते हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, केवल आठ सप्ताह के ध्यानअभ्यास से मस्तिष्क के ग्रे मैटर में वृद्धि देखी गई, जो सीखने, याददाश्त और भावनात्मकविनियमन में सहायक है। इस प्रकार विभिन्न शोधों में यह बात वैज्ञानिक आधार परसिद्ध हो चुकी है कि ध्यान केवल मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति का साधन नहीं है, बल्कि नियमित रूप से इसकाअभ्यास उसके जीवन के हर पहलू को समृद्ध कर सकता है।

ध्यान के वैज्ञानिक आधार को समझने के लिए न्यूरोसाइंस मेंकिए गए शोधों पर ध्यान देना आवश्यक है। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में किए गए एक अन्यअध्ययन में यह पाया गया कि नियमित ध्यान मस्तिष्क के अमिगडाला (जो भय और तनाव काकेंद्र है) की गतिविधि को कम करता है, जिससे व्यक्ति तनावपूर्ण स्थितियों में भी शांत और संतुलितबना रहता है। ध्यान के इन वैज्ञानिक लाभों को अब विभिन्न चिकित्साक्षेत्रों में लागू किया जा रहा है। कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र अब ध्यान को मानसिकस्वास्थ्य उपचार का हिस्सा बना रहे हैं। कैंसर, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से पीड़ित रोगियोंके लिए ध्यान को सहायक चिकित्सा के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। जर्नल ऑफक्लिनिकल साइकॉलजी में प्रकाशित एक अध्ययन में यह पाया गया कि ध्यान से न केवलमरीजों के दर्द की अनुभूति कम होती है, बल्कि उनमें इलाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसितहोता है।

ध्यान का प्रभाव केवल मानसिक स्वास्थ्य तक ही सीमित नहींहै। शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान के प्रभाव को भी अब व्यापक रूप से स्वीकार किया जारहा है। एक अध्ययन के अनुसार, ध्यान नियमित रूप से करने से हृदय की गति और रक्तचाप कोनियंत्रित करने में मदद मिलती है, जिससे हृदय रोगों का जोखिम 30ब तक कम हो सकता है। इसके अलावा, ध्यान प्रतिरक्षा प्रणालीको भी मजबूत करता है, जिससे शरीर बीमारियों सेलड़ने में अधिक सक्षम बनता है। इतना ही नहीं रिसर्च में यह बात भी सामने आई कि ध्यान काप्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर पर सीमित नहीं होता। जब एक व्यक्ति ध्यान करता है, तो वह अपनी आंतरिक ऊर्जाको सकारात्मक दिशा में केंद्रित करता है, जिसका असर उसके आस-पास के वातावरण पर भी पड़ता है। कई अध्ययनोंने यह साबित किया है कि सामूहिक ध्यान के दौरान अपराध दर में गिरावट, सामाजिक सौहार्द मेंवृद्धि और पर्यावरणीय सामंजस्य जैसे सकारात्मक परिवर्तन देखे गए हैं। 1993 में वाशिंगटन डी.सी. मेंकिए गए एक शोध में पाया गया कि सामूहिक ध्यान के दौरान शहर में अपराध दर में 23ब की गिरावट आई।

मेडिटेशन जैसे एक सरल माध्यम से मानवीय आचरण में इस प्रकारके मूलभूत बदलाव इसकी वैज्ञानिकता (मनोवैज्ञानिकता) का प्रमाण है।

मेडिटेशन के इन्हीं सकारात्मक प्रभावों को देखते हुए आजकॉर्पोरेट कल्चर वाली कई मल्टिनैशनल कंपनियां अब ध्यान को अपनी कार्य संस्कृति मेंशामिल कर रही हैं। गूगल, एप्पल, और माइक्रोसॉफ्ट जैसीप्रमुख कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए नियमित ध्यान सत्र आयोजित कर रही हैं।

आज के प्रतिस्पर्धा के दौर में हमारे बच्चे भी पढ़ाई मेंअपने प्रदर्शन को लेकर तनाव में रहते हैं। अध्ययन बताते हैं कि जो छात्र नियमितरूप से ध्यान करते हैं, उनकी एकाग्रता, स्मरणशक्ति और भावनात्मकसंतुलन में सुधार होता है। भारतीय विद्यालयों में किए गए एक पायलट प्रोजेक्ट मेंपाया गया कि ध्यान के नियमित अभ्यास से बच्चों की परीक्षा में प्रदर्शन में 20ब तक सुधार हुआ। हालांकि, ध्यान के महत्व को समझने और इसे अपने जीवन में शामिल करनेके लिए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। अभी भी दुनिया की 60ब से अधिक आबादी ध्यान केलाभों और इसकी प्रक्रिया से अनभिज्ञ है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा विश्वध्यान दिवस मनाने का यह निर्णय निश्चित ही वैश्विक स्तर पर लोगों में मेडिटेशन केफायदों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। निस्संदेहयह प्रयास एक स्वस्थ एवं समर्द्ध विश्व की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

(चिंतन-मनन)

कठिन काम

एक लड़का महात्मा के पास पहुंचा। लड़का बड़ा शैतान था, उसको देखते ही महात्मा ने भांप लिया। इसलिए मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रतिबोध देने के लिए महात्मा बोले- बच्चे! तुम तो बड़े तेज दिखाई देते हो। वह अपनी प्रशंसा सुनकर खुश हुआ और कहने लगा - स्कूल में सब लड़के मुझसे डरते हैं। महात्मा- अच्छा, तुम सरल काम करना चाहते हो या कठिन? लड़का- मैं कठिन से कठिन काम करना चाहता हूं। महात्मा- तुम्हें कोई गाली दे तो तुम क्या करोगे? लड़का- मुझे कोई एक गाली देगा तो उसको दस गाली सुनाऊंगा।

महात्मा- ऐसा करना सरल है या कठिन? लड़का- महात्माजी! यह तो मैं बड़ी आसानी से कर लेता हूं। महात्मा- तुम तो तेज लड़के हो, ऐसा सरल काम क्यों करते हो? लड़का कुछ सकुचाता हुआ बोला- अच्छा, आज से मैं कठिन काम करूंगा। महात्मा- गाली सहना बहुत कठिन है। गाली सुनकर गाली देने वाले बहुत मिलेंगे, पर उस समय खामोश रहने वाले विरले ही होते हैं। लड़का- महात्मा जी! जैसा आपने कहा है, मैं वैसा ही कठिन काम करूंगा। लड़का महात्माजी को वचन देकर आगे चला तो उसे एक दोस्त मिला। उसने एक कंकर उस पर फेंका। वह बालक तिलमिला गया। इतने में उसे महात्मा के शब्द याद आ गए। वह शांत खड़ा रहा। सामने वाला बच्चा यह देखकर दंग रह गया। वह बोला- भैया! मैंने अच्छा नहीं किया, क्षमा करना। ऐसा सुनकर उसने संकल्प कर लिया कि जीवन की स्वस्थता के लिए वह ऐसे ही काम करेगा।

विचार मंथन

अमित शाह के अंबेडकर पर दिए बयान से गिर सकती है, मोदी सरकार?

(लेखक- सनत जैन)

हाल ही में राज्यसभा में दिए गए गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। देश भर में आंदोलन शुरू हो गए हैं। एनडीए के सहयोगी दल भी अपने भविष्य की चिंता को लेकर इस मामले में अमित शाह के बयान के विरोध में खड़े होते हुए दिख रहे हैं। विपक्ष का आरोप है, यह बयान बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के सम्मान के खिलाफ है। देश के लाखों लोगों की भावनाओं को केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बयान से ठेस पहुंची है। इस मामले ने राजनीतिक तापमान को और बढ़ा दिया है। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने इस बयान को बड़ा मुद्दा बनाते हुए नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू जैसे एनडीए के सहयोगी दलों से समर्थन वापस लेने की अपील की है। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार वर्तमान में अपने बहुमत के लिए जदयू, लोजपा और टीडीपी जैसे सहयोगी दलों पर निर्भर है। आंबेडकर पर दिए गए बयान के बाद सहयोगियों का समर्थन शायद ही सरकार को मिले। भविष्य में सरकार के लिए गंभीर संकट का संकेत हो सकता है। केजरीवाल ने अपनी चिट्ठी में इस विवाद को संविधान और आंबेडकर के सम्मान से जोड़ते हुए, एनडीए सहयोगियों पर नैतिक एवं राजनीतिक दृष्टि से दबाव बनाने का दांव चल दिया है। विपक्षी दल इस मुद्दे पर सदन के भीतर और बाहर सरकार को घेरने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। जिसके परिणाम स्वरुप शुक्रवार को जैसे ही लोकसभा की कार्रवाई शुरू हुई, हंगामा और विरोध के बीच बिना कार्यवाही आगे बढ़े सदन अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष सड़क पर उतरकर विरोध करने को आगे आ गया है। कई प्रदेशों में अमित शाह के बयान के खिलाफ आंदोलन शुरू हो गए हैं। जगह-जगह धरना-प्रदर्शन हो रहं हैं।

वहीं, भाजपा ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए अमित शाह के बयान को गलत ढंग से पेश करने का आरोप लगाया है। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य बाबा साहेब का अपमान करना नहीं था। इसके बावजूद विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। संसद परिसर में गुरुवार को सांसदों के बीच आपस में धक्का-मुक्की को लेकर जो बवाल पैदा हुआ था उसमें बीजेपी के सांसद अब अपने ही बिछाए हुए जाल में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। अभी तक संसद परिसर के सीसीटीवी फुटेज बाहर नहीं आए हैं। यह माना जा रहा है कि सरकार ने विपक्ष द्वारा अमित शाह से जो इस्तीफे की मांग की जा रही थी उसे मुद्दे को डाइवर्ट करने के लिए सांसदों पर हमले की स्क्रिप्ट लिखी गई थी, जिसके नतीजे में धक्का-मुक्की कांड सामने आया। विपक्ष ने उसे भी बेअसर करने का काम कर दिया है। संसद परिसर में दोनों पक्षों के बीच में जो घटना हुई है, उसके बाद इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल भी एकजुट हो गए हैं। जो आगे चलकर सत्ता पक्ष के लिए परेशानी खड़ी करेंगे। राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है, कि एनडीए के सहयोगी दल इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ खड़े हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में मोदी सरकार को गिरने से रोक पाना मुश्किल होगा। यह विवाद लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में भाजपा और एनडीए के सहयोगी दलों के खिलाफ जा सकता है। जिसके कारण एनडीए के सहयोगी दल अमित शाह के बयान के बाद घबराहट में है। अमित शाह के बयान ने सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक समीकरणों को पुनः आर-पार की लड़ाई के रूप में परिभाषित कर दिया है। अब देखना यह है, इस विवाद का अंत किस तरह होता है। अमित शाह द्वारा आंबेडकर के बारे में दिया गया बयान केंद्र सरकार के लिए संकट का कारण बन गया है। सरकार के पास दो ही विकल्प रह गए हैं। अमित शाह को मंत्रिमंडल से हटाकर तथा उनके बयान को लेकर माफी मांगने से सरकार को गिरने से बचाया जा सकता है। अन्यथा जिस तरह की स्थिति देश में देखने को मिल रही है, उससे यह स्पष्ट है, कि भविष्य मे भाजपा के वोट बैंक को एक बहुत बड़ा नुकसान होने जा रहा है। इसकी भरपाई कर पाना भाजपा के लिए संभव नहीं होगा। वहीं जो भी सहयोगी दल भाजपा के साथ रहेगा। उसके ऊपर भी राजनीतिक अस्तित्व बनाए रखना बहुत मुश्किल हो जाएगा। एनडीए के सहयोगी दलों ने अभी चुप्पी साध रखी है। जल्द ही कोई निर्णय मोदी सरकार ने नहीं लिया तो निकट भविष्य में मोदी सरकार गिर सकती है। एनडीए के सहयोगी दल अपना पल्ला झाड़ लेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सन पेट्रोकेमिकल्स बिहार में 36,700 करोड़ का करेगी निवेश

पटना । सन पेट्रोकेमिकल्स ने बिहार सरकार के साथ एक समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए जिसमें अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में 36,700 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। सन पेट्रोकेमिकल्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां 'बिहार बिजनेस कनेक्ट' 2024 निवेशक शिखर सम्मेलन में कहा कि हम अक्षय ऊर्जा तथा भंडारण बुनियादी ढांचे में 36,700 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। मैं इस अवसर का इस्तेमाल राज्य में निवेशकों की भावना तथा माहौल में आए महत्वपूर्ण बदलाव की सराहना करने के लिए करना चाहता हूं, जो हमें इस और आगामी परियोजनाओं में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि चालू होने से पहले ही ये परियोजनाएं 30,000 से अधिक नौकरियों का सृजन करेंगी।

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल का शेयर 22 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

- 25.89 प्रतिशत चढ़कर 525 रुपये पर पहुंच गया

नई दिल्ली । हीरा कारोबार से जुड़ी कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट (इंडिया) लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 417 रुपये से 22 प्रतिशत से अधिक उछाल के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 504.85 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसके बाद यह 25.89 प्रतिशत चढ़कर 525 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसे 22.30 प्रतिशत चढ़कर 510 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 20,523.26 करोड़ रुपये रहा। जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट इंडिया लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले मंगलवार को बोली के अंतिम दिन तक 33.78 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 4,225 करोड़ रुपये के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 397-417 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था।

धारावी पुनर्विकास योजना- अदाणी समूह को निविदा दिए जाने के खिलाफ दायर याचिका खारिज

याचिका संयुक्त अरब अमीरात की सेकलिंक टेक्नोलॉजीज ने की थी दायर

मुंबई । बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को मुंबई के धारावी झुग्गी बस्ती के पुनर्विकास परियोजना को अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को दिए जाने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका संयुक्त अरब अमीरात स्थित सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन द्वारा दायर की गई थी। उन्होंने अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को परियोजना देने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने के लिए याचिका दाखिल की थी। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह मामला कोई आधार पर नहीं है। अदाणी समूह ने धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए 259 हेक्टेयर के लिए सबसे अधिक बोली लगाई थी और 2022 में 5,069 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ इसे हासिल किया था। सेकलिंक टेक्नोलॉजीज ने 2018 की निविदा को रद्द करने के बाद अदाणी को इस परियोजना के लिए नई निविदा देने की चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने यह फैसला सुनाते हुए कहा कि याचिका में उठाए गए आधारों में दम नहीं है। सरकार के निविदा को रद्द करने और अदाणी को प्रोजेक्ट देने में यह चुनौती व्यर्थ रही।

एचसीसी ने क्यूआईपी के जरिये 600 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एचसीसी) ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 600 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। कंपनी ने कहा कि क्यूआईपी 16 दिसंबर को खुला और 19 दिसंबर को बंद हुआ। इसे जोरदार प्रतिक्रिया मिली और इसके खुलने के कुछ ही घंटों के भीतर इसे पूर्ण अभिदान प्राप्त हुआ। इसमें कहा गया कि एचसीसी ने 43.01 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर शेयर जारी कर 600 करोड़ रुपये जुटाए जिसमें 42.01 रुपये प्रति शेयर का प्रीमियम भी शामिल है। एचसीसी परिवहन, बिजली और जल क्षेत्रों में काम करती है।

भारत ने 2024 में सबसे बड़े प्रेषण प्राप्तकर्ता के रूप में रचा इतिहास: विश्व बैंक

- वर्ष 2024 में प्रेषण की वृद्धि दर 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारत ने 2024 में नौकरी बाजारों में पुनर्निर्माण के कारण अपेक्षित 129 अरब डालर के प्रेषण के साथ सबसे बड़े प्रेषण प्राप्तकर्ता के रूप में अपनी धाक जमाई। यह जानकारी विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में साझा की गई है। इस उच्च स्तरीय प्रेषण के पीछे भारत के अविरल संवेदनशीलता, भरोसेमंद नौकरी बाजार, और अर्थव्यवस्था की मजबूती का सामर्थ्य है। इसके बाद इस श्रेणी में मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और पाकिस्तान स्थान रहे। वर्ष 2024 में प्रेषण की वृद्धि दर 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2023 की 1.2 प्रतिशत की दर से काफी अधिक है। विश्व बैंक के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक उच्च-आय वाले देशों में सुधार और महामारी के बाद आर्थिक सहयोग ने प्रेषणों में इस वृद्धि को प्रोत्साहित किया। विश्व बैंक ने देशों से उचित कार्रवाई की मांग की है ताकि प्रेषणों की स्थिरता और आकार बनाए रखा जा सके और इससे

गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए फायदे हो सकें। उन्होंने भविष्य में दक्षिण एशिया में प्रेषण के मामले में अग्रणी भूमिका की उम्मीद जताई है, विशेष रूप से भारत, पाकिस्तान, और बांग्लादेश के सजीव प्रेषण प्रवाह के कारण। अंततः विश्व बैंक के व्यापक अध्ययन से प्रकट होता है कि 2024 में भारत ने दिखाया है कि वह आर्थिक उत्कृष्टता और उन्नति के मामले में विश्व में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

माइक्रोमैक्स और फिसन ने भारत में स्टोरेज चिपसेट मॉड्यूल के लिए किया समझौता

- माइक्रोमैक्स की 55 फीसदी और फिसन की 45 फीसदी हिस्सेदारी है

मुंबई ।

माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स और फिसन ने कृत्रिम मेधा आधारित स्टोरेज चिपसेट मॉड्यूल के लिए उद्यम की स्थापना की है। इस संयुक्त उद्यम का नाम एमआईपीएचआई है। माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स के एक अ धिकारी ने बताया कि नए संयुक्त उद्यम ने नोएडा संयंत्र में उत्पादन शुरू कर दिया है। स्टोरेज चिपसेट का उपयोग सर्वर के लिए किया जाएगा। अ धिकारी ने इस साझेदारी के बारे में बताया कि माइक्रोमैक्स की 55 फीसदी और फिसन की 45 फीसदी हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि इसे एआई परिदृश्य को बदलने में मदद मिलेगी। इसका लक्ष्य जीपीयू की लागत को कम करना है। यह भी जताया गया कि परीक्षण इसी महीने पूरा होगा और नया उत्पाद 2025 में वाणिज्यिक निर्यात के लिए उपलब्ध होगा। इस संयुक्त उद्यम के माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी और स्टोरेज चिप कंपनी ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो भारत के साथ ही अन्य विश्व पारंपरिक बाजारों में भी इनोवेटिव तकनीक को प्रोत्साहित करेगा। यह स्टोरेज चिपसेट मॉड्यूल नवीनतम विकास के सफल साक्षात्कार का परिणाम है, जो कंपनियों के लिए सुरक्षित और एफीशिएंट स्टोरेज समाधान प्रदान करेगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुरुवार को भी भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन के अंतिम कारोबारी सत्र में बेंचमार्क इंडेक्स, बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी एक फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। सभी सेक्टोरल इंडेक्स भी आज गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1176.46 अंक करीब 1.49 फीसदी नीचे आकर 78,041.59 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 364.20 अंक तकरीबन 1.52 फीसदी नीचे आकर 23,587.50 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के आज सेंसेक्स के 28 शेयर नीचे आकर लाल निशान पर बंद हुए। टेक महिन्द्रा, एमएंडएम, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, एसबीआई, टीसीएस, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, कोटक बैंक, सन फार्मा, जेएसडब्यूय स्टील, एचसीएल टेक मारुति, एशियन पेंट्स, आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी गिरे। दूसरी ओर, सेंसेक्स के केवल 2 शेयर ही बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए। नेस्ले इंडिया में 0.12 फीसदी और टाइटन में 0.07 फीसदी की हल्की बढ़त रही। आज सभी क्षेत्रों में बिकवाली का माहौल रहा। निफ्टी रियल्टी, निफ्टी सिलेक्ट टेलीकॉम और निफ्टी वित्तीय सेवाओं में 3 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी आईटी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी पीएसयू बैंक भी बुरी तरह प्रभावित हुए, जो 2 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी के 45 शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक और ट्रेंट में सबसे अधिक गिरावट रही, जिनमें 3.90 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, सिर्फ 5 स्टॉक्स डॉ. रेड्डीज लैब, टाइटन, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी लाइफ और आईसीआईसीआई बैंक बढ़त के साथ बंद हुए, जिनमें अधिकतम 1.49 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 66.87 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 79,284.92 पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 50 में 22.2 अंकों की

गिरावट देखी गई और यह 23,929.50 पर था, जो 0.09 फीसदी की कमजोरी को दर्शाता है। बीएसई सेंसेक्स के 30 में से केवल 8 स्टॉक्स बाजार खुलने के बाद बढ़त पर कारोबार करते दिखे। दूसरी ओर अन्य एशियाई बाजारों में गिरावट देखी गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.7 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 1.1 फीसदी नीचे आ गया। अमेरिका में तीसरी तिमाही के आर्थिक आंकड़ों ने मजबूत उपभोक्ता खर्च के चलते 3.1 फीसदी की जीडीपी में वृद्धि दिखाई, जो पहले के 2.8 फीसदी अनुमान से ज्यादा थी।

हालांकि, अमेरिकी बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। डॉव जोंस ने 0.04 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ अपनी लंबी गिरावट को रोका, जबकि एसएंडपी P 500 में 0.09 फीसदी और नैस्डैक में 0.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

अदाणी समूह बिहार में अत्याधुनिक बिजलीघर लगाएगा प्रणव अदाणी

- कंपनी बिजली संयंत्र पर करेगी 20,000 करोड़ का निवेश

पटना । गौतम अदाणी के नेतृत्व में अदाणी समूह ने बिहार में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश कर एक अत्याधुनिक बिजलीघर की स्थापना करने की घोषणा की है। साथ ही समूह अपने सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण तथा लॉजिस्टिक कारोबार का भी विस्तार करने जा रहा है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक प्रणव अदाणी ने इस बताया कि समूह ने पहले ही लॉजिस्टिक, गैस वितरण, और कृषि लॉजिस्टिक क्षेत्र में 850 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश से 27,000 नौकरियों का सृजन होगा। अदाणी समूह की योजनाएं बिहार के औद्योगिक विकास को गति देने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। गौतम अदाणी ने हाल ही में बिहार में औद्योगिक विकास के लिए और भी 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर विनिर्माण में भी निवेश किया जा रहा है, जिससे 4,000 नौकरियों का सृजन होगा। इस समाचार से स्पष्ट है कि अदाणी समूह गतिशीलता और विकास के साथ-साथ रोजगार के अवसरों का भी संरक्षण कर रहा है।

आज जीवन व स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कर की दर में कमी पर होगा फैसला

जीएसटी परिषद 55वीं बैठक राजस्थान में

नई दिल्ली।

जीएसटी परिषद शनिवार को होने वाली अपनी बैठक में जीवन व स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कर की दर कम करने, महंगी कलाई घड़ियों, जूतों और परिधानों पर कर की दर बढ़ाने और अहितकर वस्तुओं के लिए अलग से 35 प्रतिशत कर लगाने पर विचार करेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में करीब 148 वस्तुओं में दर में फेरबदल पर चर्चा होगी। इसके अलावा, विमानन उद्योग की परिचालन लागत के एक प्रमुख घटक एविएशन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने पर भी विचार-विमर्श होगा। स्विगी और जोमैटो जैसे खाद्य वितरण मंचों पर जीएसटी दर को वर्तमान 18 प्रतिशत (आईटीसी के साथ) से घटाकर पांच प्रतिशत (इनपुट टैक्स क्रेडिट के बिना) करने का प्रस्ताव है।

सूत्रों ने बताया कि फिटमेंट कमेटी (जिसमें केंद्र और राज्यों के कर अधिकारी शामिल हैं) ने इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रिक गाड़ियों के साथ-साथ छोटे पेट्रोल तथा डीजल वाहनों की बिक्री पर मौजूदा 12 से 18 प्रतिशत तक की दर बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। इस बढ़ोतरी से पुरानी छोटी कारें और इलेक्ट्रिक वाहन पुराने बड़े वाहनों के बराबर हो जाएंगे। इसके अलावा, जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जून 2025 तक 6 माह का विस्तार मिलने की संभावना है। क्षतिपूर्ति उपकर व्यवस्था मार्च 2026 में समाप्त हो जाएगी और जीएसटी परिषद ने उपकर के भविष्य के पाठ को तय करने के लिए केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के नेतृत्व में मंत्रियों की एक समिति का गठन किया है। जीएसटी व्यवस्था में, अहितकर वस्तुओं पर 28 प्रतिशत कर के अलावा विभिन्न दरों पर क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है।

उपकर से प्राप्त आय जिसे मूल रूप से जीएसटी लागू होने के बाद पांच साल या जून 2022 तक के लिए नियोजित किया गया थाड्डसका इस्तेमाल जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों को हुए राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए किया गया।

होंडा जनवरी से वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत बढ़ाएगी

- टाटा मोटर्स व अन्य ने पहले ही कारों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है

नई दिल्ली । होंडा कार्स इंडिया ने अगले साल जनवरी से अपने सभी मॉडल की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ होंडा ने वाहन विनिर्माता कंपनियों की उस लिस्ट में शामिल हो गई है, जो इस समय को विड-19 महामारी के कारण लॉजिस्टिक्स की बढ़ाती लागतों का बोझ उठाने के बारे में सोच रही हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने यह निर्णय लिया है और उन्होंने यह कहा है कि कच्चे माल की लागत और लॉजिस्टिक्स में निरंतर वृद्धि के कारण इसका छोटा सा भार नए साल से मूल्य संशोधन के जरिये ग्राहकों पर डाला जाएगा। कंपनी घरेलू बाजार में अमेज, सिटी और एलिवेट जैसे मॉडल बेचती है और उसने इस बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे इसे अन्य विनिर्माता कंपनियों के साथ समय पर बराबरी बनाए रखने के लिए जरूरी था। प्रमुखीकृत कार विनिर्माता कंपनियों मैरुति सुजुकी, हुंदै और टाटा मोटर्स ने पहले ही इसी माह में कारों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है।

बर्जर और इंडिगो पेंट्स पर नुवामा की नजर

- एशियन पेंट्स को शहरी मंदी और नई प्रतिस्पर्धा से चुनौती

मुंबई ।

आदित्य बिड़ला और जेएसडब्ल्यू जैसे समूहों की दस्तक से पेंट सेक्टर में प्रतिस्पर्धा दिखाई देने लगी है। हालांकि कुछ ब्रोकरेज चुनिंदा शेयरों जैसे नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज बर्जर पेंट्स और इंडिगो पेंट्स पर दांव लगा रहे हैं। घरेलू ब्रोकरेज पेंट उद्योग में छोटी कंपनियों पर नजर लगाए हुए हैं, जो उद्योग की दिग्गज कंपनी एशियन पेंट्स से बर्जर और इंडिगो की ओर प्राथमिकता में बदलाव देखा जा सकता है। ब्रोकरों को दूसरी छमाही में नई कंपनियों में चमकदार संभावनाएं दिख रही हैं जबकि एशियन पेंट्स के लिए चुनौती दिखती है। नुवामा के एक विश्लेषक एशियन पेंट्स की बड़े शहरों में ज्यादा बिक्री को प्रमुख कारक मानते हैं। उनका कहना कि शहरी इलाके बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति, बढ़ते आवास किराये, धीमी वेतन वृद्धि और बढ़ते ब्याज भुगतान जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। ये कारक मांग पर भारी असर डाल रहे हैं। एशियन पेंट्स को ऊंचे आधार प्रभाव और पूरे भारत में दिग्गज कंपनी बने रहने की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। शहरी बाजारों में बिड़ला ओपस जैसों के उतरने से एशियन पेंट्स पर ज्यादा दबाव आ गया है।

दिलचस्प बात यह है कि इन चुनौतियों ने बर्जर और इंडिगो को उतना प्रभावित नहीं किया है। विश्लेषकों का मानना है कि उनके अपेक्षाकृत छोटे पैमाने और क्षेत्रीय फोकस ने उन्हें बड़े शहरी क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा के तत्काल दबाव से बचाया है। इस कारण पेंट सेक्टर में वे नुवामा की पसंदीदा बन गई हैं जिसने दोनों शेयरों को खरीदें रेटिंग दी है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार हालांकि केवल एक-चौथाई विश्लेषक ही एशियन पेंट्स और बर्जर को लेकर आशावादी हैं। ब्रोकरेज फर्मों को बर्जर में अधिक तेजी की संभावना नजर आ रही है। कन्साई नेरोलक और एक्जोनोबेल में भी उन्हें बढ़त दिख रही है। एशियन पेंट्स के मुकाबले बर्जर और इंडिगो बढ़त क्यों बना रहे हैं? इसे लेकर विश्लेषकों ने अपना नजरिया पेश किया है।

स्मार्टफोन रियलमी 14एक्स 5जी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी रियलमी ने अपना लेटेस्ट बजट स्मार्टफोन रियलमी 14एक्स 5जी भारत में लॉन्च कर दिया है। फोन की कीमत रुपए 15,000 के आसपास होने का अनुमान है, और यह सेगमेंट में सबसे किफायती 5जी स्मार्टफोन में से एक हो सकता है। रियलमी 14एक्स 5जी स्मार्टफोन ई-कॉमर्स साइट फ्लीपकार्ट पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन तीन रंगों - क्रिस्टल ब्लैक, गोल्डन ग्लो और ज्वेल रेड - में पेश किया जाएगा, जिससे आप अपनी पसंद के रंग में इसे खरीद सकते हैं। रियलमी 14एक्स 5जी में मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 प्रोसेसर का उपयोग किया गया है, जो इस फोन को 8जीबी रैम और 128जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ बेहतर प्रदर्शन देता है। इसके अलावा, यूजर्स 10जीबी वर्चुअल रैम का फायदा भी उठा सकते हैं, जिससे मल्टीटास्किंग में कोई परेशानी नहीं होगी। डिवाइस में 6.72-इंच फुल एचडी+ आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले हो सकता है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आता है, जिससे बेहतर और स्मूथ विजुअल एक्सपीरियंस मिलेगा। फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए, इस स्मार्टफोन में डुअल कैमरा सेटअप हो सकता है, जिसमें 50MP का प्राइमरी सेंसर होगा। हालांकि, दूसरे सेंसर के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है, लेकिन यह फोन फोटो और सेल्फी के मामले में भी अच्छा प्रदर्शन करेगा, ऐसी उम्मीद है। रियलमी 14एक्स 5जी में 6000 एमएएच बैटरी हो सकती है, जो 45वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है।

इसका मतलब है कि आप लंबे समय तक अपने फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं और जल्दी चार्ज भी कर सकते हैं। अगर आप एक किफायती और लंबी बैटरी लाइफ वाले स्मार्टफोन की तलाश में हैं, तो रियलमी 14एक्स 5जी आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह स्मार्टफोन एंड्राएड 14 आधारित रियलमी यूआई 5.0 पर चलेगा और आईपी69 रेटिंग के साथ आएगा, जिससे यह पानी और धूल से सुरक्षित रहेगा।

यूपी, हरियाणा और बिहार में भी चढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 72.88 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

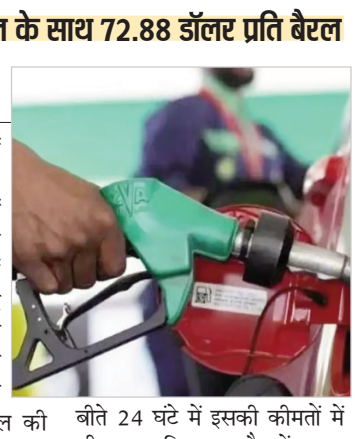

कच्चे तेल की कीमतों में आए बदलाव का असर शुक्रवार सुबह कुछ शहरों में काफी ज्यादा देखने को मिला। वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल एक बार फिर बढ़कर 73 डॉलर के करीब पहुंच गया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बड़ा उतार-चढ़ाव दिख रहा है। शुक्रवार को यूपी, बिहार और हरियाणा के शहरों में भी तेल की कीमतों में उछाल आया है।

हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के बहराइच जिले में पेट्रोल 1.20 रुपये महंगा होकर 96.13 रुपये, डीजल भी 1.07 रुपये चढ़कर 89.17 रुपये लीटर, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 11 पैसे महंगा हुआ और 105.34 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल 10 पैसे चढ़कर 92.19 रुपये लीटर पहुंच गया है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 3 पैसे चढ़कर 95.07 रुपये लीटर तो डीजल 3 पैसे चढ़कर 87.93 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 72.88 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी गिरकर 69.91 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। इन शहरों में बदल गए रेट - बहराइच में पेट्रोल 96.13 रुपये और डीजल 89.17 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.34 रुपये और डीजल 92.19 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.07 रुपये और डीजल 87.93 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

जीएसटी की बैठक में मध्यस्थ सेवाओं को शून्य दर में लाने का प्रस्ताव

- ब्रोकर, एजेंट और ऑनलाइन पोर्टलों को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली । जीएसटी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक में मध्यस्थ सेवाओं को शून्य दर में लाने का प्रस्ताव गूंज रहा है। जो ब्रोकर, एजेंट और ऑनलाइन पोर्टलों को राहत दिखा सकता है। यह प्रस्ताव एमएसटीसी, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स, एमजंक्शन जैसे पोर्टलों को भी लाभ पहुंचा सकता है। इस प्रस्ताव से भारतीय मध्यस्थों को विदेशी प्रतिस्पर्धियों के साथ समान स्तर पर काम करने का मौका मिल सकता है। इसके साथ ही इस प्रस्ताव से इन मध्यस्थ सेवा प्रदाताओं को 3357 करोड़ रुपये की कर देयता से छुटकारा भी मिल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रस्ताव से ब्रोकर और एजेंट को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें जीएसटी देनदारियों का भुगतान करने में समस्याएं थी। नई व्यवस्था में आपूर्तिकर्ताओं के लिए वित्तीय बोझ कम होगा और उन्हें जीएसटी देनदारियों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। यह सुनिश्चित किया जाता है कि जीएसटी प्रणाली और इनपुट टैक्स क्रेडिट की प्रक्रिया में सुधार के बावजूद, उत्तराधिकारियों को वित्तीय सहायता पर ध्यान दिया जा रहा है। यह प्रस्ताव व्यवसायों को अधिक सुविधाएं और सामर्थ्य प्रदान कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंडर-19 महिला एशिया कप : भारत ने श्रीलंका को हराकर फाइनल में बनाई जगह, अब खिताब पर नजरें

कुआलालंपुर (एजेंसी)। बाएं हाथ की स्पिनर आयुषी शुक्ला ने शानदार 4 विकेट लेकर भारत को शुक्रवार को बेयूमास क्रिकेट ओवल में श्रीलंका को 4 विकेट से हराकर अंडर-19 महिला एशिया कप के फाइनल में प्रवेश दिलाया। भारत की पिछली सुपर फोर जीत में बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने वाली आयुषी ने 4-10 के आंकड़े हासिल किए और श्रीलंका को 20 ओवरों में 98/9 पर सीमित करने में अहम भूमिका निभाई।

उन्हें साथी बाएं हाथ की स्पिनर परुनिका सिसोदिया का अच्छा साथ मिला जिन्होंने दो विकेट लिए, जबकि शबनम शकील और द्रिथी केसरी ने एक-एक विकेट लिया, क्योंकि मनुदी नानायकारा के 33 रन को छोड़कर श्रीलंका की कोई भी बल्लेबाज 25 तक नहीं पहुंच सकी। ईश्वरी अवसारे और सानिका चालके को जल्दी खोने के बावजूद जी त्रिशा और जी कमलिनी ने सुनिश्चित किया कि 99 रन का पीछा करने की भारत की कोशिश पटरी पर रहे।

2023 महिला अंडर 19 टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य त्रिशा ने 24 गेंदों में 32 रन बनाए और जी कमलिनी के साथ 63 रनों की साझेदारी की जिन्होंने 26 गेंदों में 28 रन बनाए। श्रीलंका ने मैच में वापसी की क्योंकि चामुदी मुनासिंघे ने त्रिशा को आउट कर दिया लेकिन शांत और धैर्यवान मिथिला विनोद ने चार चौके लगाए जिसमें विजयी रन भी शामिल था, और 12 गेंदों पर 17 रन बनाकर नाबाद रहीं जिससे भारत ने 14.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

आयुषी को उनके चार चौकों के लिए अंततः प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत अब रविवार को बयूमास क्रिकेट ओवल में होने वाले टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण के खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश-नेपाल सुपर फोर गेम के विजेता से भिड़ेगा।

चौथे और पांचवें टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, 19 साल का युवा टीम में शामिल

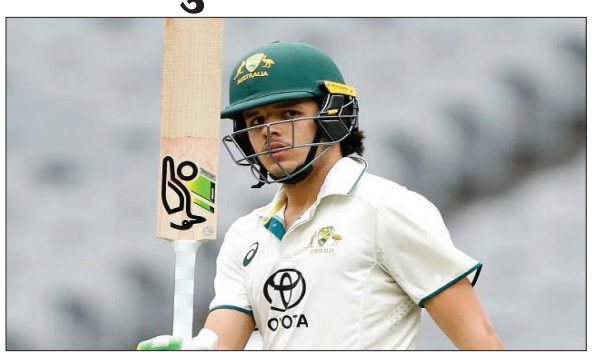

लुसैल (कतर) (एजेंसी)। मेलबर्न - ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के चौथे और पांचवें टेस्ट के लिए टीम की घोषणा कर दी है। युवा सैम कोंस्टास को आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया जबकि सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को जगह नहीं मिल सकी है। 19 वर्ष के कोंस्टास पिछले 70 साल में ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा टेस्ट बल्लेबाज होंगे। पहले तीन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के शीर्षक्रम खासकर मैकस्वीनी के खराब प्रदर्शन के बाद कोंस्टास को टीम में जगह मिली।

पर्थ में पहले टेस्ट में पदार्पण करने वाले 25 वर्ष के मैकस्वीनी एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके और छह पारियों में 10, 0, 39, नाबाद 10, 9 और चार स्कोर किया। वहीं कोंस्टास ने न्यू साउथवेल्स के लिए शेफील्ड शील्ड के दो मैचों में शतक जमाया। भारत ए के खिलाफ एमसीजी पर मैच में उन्होंने नाबाद 73 रन बनाए जबकि कैनबरा में भारत के खिलाफ प्रधानमंत्री एकादश के लिए गुलाबी गेंद के मैच में 107 रन की पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, 'सैम को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उसकी बल्लेबाजी की शैली अलग है। हमें विश्वास है कि नाथन के पास काबिलियत है और उसे भविष्य में टेस्ट क्रिकेट में और मौके मिलेंगे। उसे बाहर रखने का फैसला कठिन था।'

चौथे और पांचवें टेस्ट के लिए आस्ट्रेलियाई टीम

पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबोट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, झाय रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

पृथ्वी को एमसीए ने करारा जवाब दिया, अनुशासन में रहें

-फिटनेस और रवैया सुधारें

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने विजय हजारे ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने पर आलोचना कर रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को करारा जवाब दिया है। एमसीए के एक अधिकारी ने कहा कि पृथ्वी ने लगातार अनुशासन तोड़ा है और उसकी हरकतों से हमें शर्मिंदा होना पड़ता है। इसलिए टीम से बाहर किसे जाने का कारण स्वयं वह है। एमसीए ने कहा कि पृथ्वी स्वयं ही अपना दुशमन है। खराब फिटनेस, रवैये और अनुशासन के कारण कई बार टीम को मैदान पर उसे छुपाना तक पड़ा है।

इससे पहले इस युवा क्रिकेटर ने 16 सदस्यीय विजय हजारे ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिलने पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी नाराजगी जतायी थी। इस क्रिकेटर का कहना है कि इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम में वह शामिल था। अधिकारी ने कहा, 'सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हम 10 फील्डरों के साथ खेल रहे थे क्योंकि पृथ्वी को छिपाना पड़ता था। गेंद उसके पास से निकल जाती थी और वह पकड़ नहीं पाता था। उन्होंने कहा, 'बल्लेबाजी के दौरान भी उसे गेंद तक पहुंचने में परेशानी हो रही थी। उसकी फिटनेस, अनुशासन और रवैया खराब है और अलग-अलग खिलाड़ी के लिए अलग नियम नहीं हो सकते। टीम में सीनियर खिलाड़ी भी उसके रवैये की शिकायत करने लगे थे।

ट्रॉफी के दौरान वह नियमित तौर पर अभ्यास सत्रों से गायब रहे और पूरी रात बाहर रहने के बाद सुबह छह बजे टीम होटल पहुंचते थे। अधिकारी ने कहा कि मैदान से बाहर की हरकतों के कारण ही ये क्रिकेटर अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर पा रहा है। इसलिए उसे सोशल मीडिया पोस्ट भेजने की जगह अपने को ठीक करना चाहिये।

पाकिस्तान का ऑलराउंड प्रदर्शन, दक्षिण अफ्रीका को बड़े अंतर से हराया

केपटाउन (एजेंसी)। कप्तान मोहम्मद रिजवान (80), बाबर आजम (73) और कामरान गुलाम (63) रनों की अर्धशतकीय पारियों के बाद शाहीन शाह अफरीदी (चार विकेट) तथा नसीम शाह (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 81 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

पाकिस्तान के 329 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान तेम्बा बवूमा और टोनी डीजॉर्जी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े। छठे ओवर में नसीम शाह ने तेम्बा बवूमा (12) को आउट कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 12वें ओवर में अबरार अहमद ने डीजॉर्जी (34) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका दिया।

रासी वान दर दुसें (23), एडन मारक्रम (21) और डेविड मिलर (29) रन बनाकर आउट हुई। हाइनरिक क्लासन ने 74 गेंदों में आठ चौकों और चार छक्को की मदद से (94) रनों की पारी खेली। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 43.1 ओवर में 248 रन पर सिमट गई। कामरान गुलाम को उनकी आतिशी बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच% से नवाजा गया। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी ने चार विकेट तथा नसीम शाह ने तीन विकेट लिए। अबरार अहमद को दो विकेट मिले। आगा सलमान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कल देर रात खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 330 रनों का लक्ष्य दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने

उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में अब्दुल्लाह शफीक (पांच) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाज करने आये बाबर आजम ने सईम अयूब के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में वेना मफाका ने सईम अयूब (25) को आउट कर पाकिस्तान को दूसरा झटका दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कप्तान मोहम्मद रिजवान ने बाबर आजम के साथ तीसरे विकेट के लिए 115 रनों की साझेदारी की। तीसरे विकेट के रूप में बाबर आजम (73) रन बनाकर आउट हुये। आगा सलमान (33), इरफान खान (15) और शाहीन शाह अफरीदी (16) रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद रिजवान ने 82 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाते हुए (80) रन बनाए। वही कामरान गुलाम ने 32 गेंदों में चार चौक और पांच छक्कों की मदद से तूफानी अंदाज में (63) रनों की पारी खेली। पाकिस्तान की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवरों में 329 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से वेना मफाका ने चार विकेट लिए। माकर यानसन को तीन विकेट मिले। ब्योर्न फोर्टेन और एंडिले फेहुक्रायो ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मेरे करियर के अंतिम दिन का कॉल लॉग ऐसा अंदाजा नहीं था : अश्विन

चेन्नई। अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय से संन्यास वाले दिन को याद कर कहा है कि अगर किसी ने मुझसे 25 साल पहले कहा होता कि इस दिन मेरे पास स्मार्ट फोन होगा और बतौर भारतीय क्रिकेटर मेरे करियर के आखिरी दिन का कॉल लॉग ऐसा होगा तो मैं मुझे उसी दिन हार्ट अटैक आ गया होता। अश्विन ने तीसरे टेस्ट मैच के ठीक बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर दी थी। उनके संन्यास से खेलजगत हैरान रह गया था. किसी को भी अंदाजा नहीं था कि जिस गेंदबाज ने 537 टेस्ट विकेट लिए हैं, वह क्रिकेट से इस प्रकार संन्यास ले लेगा। टीम में शामिल तो अश्विन के फैसले से हैरान ही थी, अश्विन को संन्यास लेने के बाद दिग्गज क्रिकेटरों ने भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अश्विन ने अपने अंतिम दिन के कॉल लॉग का स्क्रीनशॉट भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। इसमें अश्विन के पिता के अलावा 4 लोगों के नाम देखे जा सकते हैं। इन 4 नामों में सचिन तेंदुलकर और कपिल देव शामिल हैं1 वहीं दो अन्य नाम चीना और सुद हैं। पूर्व कप्तान. कपिल देव ने अश्विन के संन्यास पर हैरानी जताई थी.

शमी दिल्ली के खिलाफ विजय हजारे टॉफी के शुरुआती मुकाबले से हटे, फिटनेस पर उठे सवाल

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी का प्रयास कर रहे बंगाल के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी शनिवार को हैदराबाद में दिल्ली के खिलाफ होने वाले विजय हजारे टॉफी के शुरुआती मुकाबले से हट गये हैं। इससे एक बार फिर शमी की फिटनेस पर सवाल उठने लगे हैं। शमी 2023 एकदिवसीय विश्व कप के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने टखने की सर्जरी के एक साल के बाद रणजी ट्रॉफी से घरेलू क्रिकेट में वापसी की थी। इस दौरान उन्होंने अच्छी गेंदबाजी कर करीब सात विकेट लिए।

उन्होंने हाल में समाप्त हुई सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी नौ विकेट लिए थे पर घुटने में आ रही सूजन के कारण वह फिटनेस हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसी कारण उनकी भारतीय टीम में वापसी भी रुकी हुई है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी हाल में कहा था कि शमी जब भी टीम में चाहें वापसी कर सकते हैं पर पहले उन्हें फिटनेस हासिल करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ही उनके रिहैबिलिटेशन को देख रही है और वही उनकी फिटनेस पर कुछ कह सकती है। रोहित ने कहा कि मैं समझता हूं कि वह घर पर बहुत क्रिकेट खेल रहे हैं पर उनके घुटने को लेकर अब भी कुछ चिंतायें हैं। हम तब तक कोई जोखिम नहीं लेंगे जब तक कि हम उनकी फिटनेस के बारे में सुनिश्चित नहीं हों। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी में शमी की भागीदारी को चैंपियंस ट्रॉफी सहित आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए उनकी उपलब्धता निर्धारित करने की दिशा में एक अहम कदम के रूप में देखा जा रहा हैं पर इसके लिए उन्हें फिटनेस हासिल करनी होगी।

बैडमिंटन में 2024 में ओलंपिक में मिली निराशा, कुछ सफलताएं और कुछ नए वादे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शानदार जोड़ी ने जहां भारतीय बैडमिंटन में एक अमिट छाप छोड़ी तो वहीं लक्ष्य सेन की पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक मैच में मिली हार इस साल कड़वे अनुभवों में शामिल रही। पूरे साल मीठे अनुभवों पर अकसर निराशा का साया रहा। सात्विक और चिराग के लिए अच्छा और बुरा दोनों समय रहे क्योंकि यह जोड़ी चार फाइनल में पहुंची और दो खिताब जीते जिससे ऐतिहासिक ओलंपिक पदक की उम्मीद जगी। लेकिन पेरिस ओलंपिक में क्वार्टरफाइनल से बाहर होने के साथ उनका अभियान निराशा में समाप्त हो गया।

एशियाई खेलों के चैम्पियन ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 और थाईलैंड सुपर 500 में खिताब जीतकर दुनिया की शीर्ष जोड़ियों में अपना दर्जा मजबूत किया। यह जोड़ी मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उप विजेता रही लेकिन 8 साल में दूसरी दफा ओलंपिक जीतने का सपना पूरा नहीं हो पाया। इस हार के बाद उनके दानिश कोच माथियास बो ने इस्तीफा दे दिया, लेकिन मलेशिया के टैन किम हर की वापसी ने आत्मविश्वास बढ़ाया।

टैन किम हर को सात्विक और चिराग को एक साथ लाने का श्रेय दिया जाता है। वहीं सेन के लिए यह बहुत करीब और फिर भी दूर का मामला रहा। वह पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए उम्मीद की किरण थे। साल की शुरुआत में फ्रेंच ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियंस के सेमीफाइनल तक के सफर ने उनकी खराब फॉर्म से वापसी कराई और पहले ओलंपिक पदक के सपने को जगा दिया। हालांकि अल्मोड़ा का यह 23 वर्षीय खिलाड़ी ओलंपिक में कांस्य पदक के मैच में बुरी तरह हार गया। हालांकि उनके सैयद मोदी इंटरनेशनल में खिताबी जीत ने आगामी सत्र के लिए उम्मीद की किरण जगाई।

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के लिए साल निराशाजनक रहा। उन्होंने अपने कोचिंग स्टाफ में कई बदलाव किये और महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग के लिए बेंगलुरु चली गईं। लेकिन उनका टूर्नामेंट के शुरूआत में बाहर होना जारी रहा जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस से संघर्ष उजागर हुआ। वह मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंची लेकिन तीसरा ओलंपिक पदक जीतने का सपना प्री क्वार्टरफाइनल में मिली हार से खत्म हो गया। हालांकि इस 29 साल की खिलाड़ी ने अपना सत्र सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीतकर समाप्त किया और वह इस महीने के अंत में परिणय सूत्र में बंधने के लिए तैयार हैं। एचएस प्रणय के लिए यह सत्र दृढ़ता और प्रतिकूलता भरा रहा। उनके हमवतन खिलाड़ी जहां बेहतर प्रतिद्वंद्वियों से हार गए तो वहीं प्रणय फिर अपने स्वास्थ्य से जूझते रहे। ओलंपिक से ठीक पहले पेट से जुड़ी समस्या और चिकनगुनिया से जूझता हुआ यह खिलाड़ी दृढ़ता से पेरिस के नॉकआउट चरण में पहुंचने में सफल रहा, हालांकि वह अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखा। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के ओलंपिक में पदक नहीं जीतने से निराश पूर्व आल इंग्लैंड चैम्पियन पादुकोण ने खिलाड़ियों से जवाबदेही की बात तक कह डाली।

वहीं अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो तथा गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की दो महिला युगल जोड़ियों ने कुछ अच्छा प्रदर्शन दिखाया और भारतीय बैडमिंटन की लय को जारी रखा। अश्विनी और तनीषा का पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना किसी चमत्कार से कम नहीं था क्योंकि दोनों की रैंकिंग साल के शुरू में काफी सामान्य थी। हालांकि यह जोड़ी पेरिस में जल्दी बाहर हो गई लेकिन गुवाहाटी मास्टर्स में खिताबी जीत ने उनकी जोड़ी पर भरोसा मजबूत किया।

बांग्लादेश ने तीसरे टी20 में भी वेस्टइंडीज को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

किंग्सटाउन। बांग्लादेश ने मेजबान वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 मैच में 80 रन से हराकर तीसरे टी20 मैच में भी हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम की है। इस मैच में बांग्लादेश ने 7 विकेट पर 189 रन बनाये और मेजबान वेस्टइंडीज को जीत के लिए 190 रनों का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में मेजबान टीम 16.4 ओवर में 109 रनों पर ही सिमट गयी। इस मैच में बांग्लादेश के गेंदबाज हावी रहे। .वहीं वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड 33 के अलावा एक भी बल्लेबाज 25 रन तक भी नहीं पहुंच पाया। शेफर्ड के अलावा जॉनसन चार्ल्स ने 23 रन बनाये। बांग्लादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए। वहीं तस्कीन अहमद और मेहदी हसन ने 2-2 विकेट लिए। वहीं जाकिर अली ने 72 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। जाकिर ने 41 गेंद की अपनी पारी में 6 छक्के और 3 चौके लगाये। उनका स्ट्राइक रेट 175.60 रहा। सलामी बल्लेबाज परवेज हुसैन एमोन ने 39 और मेहदी हसन मिराज 29 ने भी अच्छी पारियां खेलीं। बांग्लादेश ने इससे पहले वेस्टइंडीज को पहले टी20 मैच में 7 रन और दूसरे मैच में 27 रन से हराया था।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप : रोमांचक रेस में 5 टीमें, जानें भारत कैसे पहुंचेगा फाइनल में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्षा से प्रभावित तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहने के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ और रोमांचक हो गई है। आठ मैच बाकी हैं और फाइनल के लिए 5 दावेदार रेस में हैं। इन 5 में से कोई भी टीम ना तो फाइनल में जगह बना पाई है और ना ही पूरी तरह से बाहर है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका अभी भी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं, जबकि श्रीलंका और पाकिस्तान दूसरों के भरोसे अभी भी रेस में हैं।

दो मैच जीतकर फाइनल में पहुंच सकता है भारत

भारत के लिए सबसे सरल समीकरण है कि वो बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाकी के बचे हुए दोनों मैच जीत जाए जिससे अंक प्रतिशत 60.53 हो जाएगा और टीम बिना किसी अन्य परिणाम पर

निर्भर रहे फाइनल में पहुंच जाएगी खेल पाएगी। सीरीज 3 अभी एक-एक की बराबरी पर है।

2 जीत और 1 ड्रॉ से फाइनल खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया को क्वालीफाई करने के लिए 2 जीत और 1 ड्रॉ की आवश्यकता है। यदि कंगारू भारत के खिलाफ अपने शेष दो टेस्ट में केवल ड्रॉ करते हैं तो उन्हें श्रीलंका के खिलाफ दो जीत की आवश्यकता होगी ताकि वे 58.77 पर समाप्त हों, जो भारत (57.02) से आगे होगा। अन्यथा दक्षिण अफ्रीका को पाकिस्तान से कम से कम 1-0 से हारना होगा। यदि ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न और सिडनी में ये 2 टेस्ट जीतता है, तो वह अन्य परिणामों की परवाह किए बिना क्वालीफाई कर लेगा।

दक्षिण अफ्रीका के लिए 2 मैचों में से एक जीतना जरूरी

दक्षिण अफ्रीका को फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ अपने दो टेस्ट में से एक जीतना होगा। अगर वह सीरीज 0-1 से हार जाता है तो ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों ही उसे पार कर सकते हैं। दोनों टेस्ट हारने पर दक्षिण अफ्रीका टीम 52.78 अंक पर आ जाएगा। ऐसे में भारत या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक निश्चित रूप से अपने बचे हुए मैचों में उस अंक को पार कर लेगा।

श्रीलंका अन्य टीमों पर निर्भर

श्रीलंका टीम ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 2-0 की श्रृंखला जीत के साथ अधिकतम 53.85 तक पहुंच सकती है। ऑस्ट्रेलिया, भारत और दक्षिण अफ्रीका तीनों को उससे नीचे रहने के लिए द. अफ्रीका को पाकिस्तान से 0-2 से ऑस्ट्रेलि को भारत के विरुद्ध दो टेस्ट मैचों में एक जीत और एक ड्रॉ से अधिक नहीं मिलना चाहिए जबकि दक्षिण अफ्रीका को हारना होगा। श्रीलंका हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से सीरीज हारा है।

पाकिस्तान सिर्फ गणितीय संभावना से रेस में

चार में से चार जीत के साथ भी पाकिस्तान 52.38 पर समाप्त होगा, जो कि द. अफ्रीका के 52.78 से थोड़ा कम होगा। हालांकि कई परिणामों के पाकिस्तान के पक्ष में जाने के पर दूसरे स्थान पर रहना संभव है। हालांकि पाकिस्तान के इस मोड़ पर पूरी तरह से बाहर होने की संभावना है।

भारत-पाक मुकाबले हाइब्रिड मॉडल पर खेले जाने को लेकर भी खुश हैं आमिर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के मैच कहीं भी हो, दर्शक वहां तक पहुंच जाएंगे। आमिर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का गतिरोध समाप्त होने पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड मॉडल (तटस्थ स्थान) पर भारत-पाक मैच होने पर उन्हें खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि भले ही भारत-पाकिस्तान मैच चाँद पर क्यों न हो प्रशंसकों को उसका पता मिल ही जाएगा। एक विशेष साक्षात्कार में आमिर ने यह भी कहा कि आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के मामले को हल करने में काफी समय लिया जबकि ये मामला पहले ही हल हो जाना चाहिये था। जय शाह के नये आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद सबसे पहले चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी का मामला हल हुआ। इसमें तय किया गया कि भारत अपने मैच पाक के साथ किसी अन्य तटस्थ स्थान पर खेलेगा। इसके साथ ही 2024-27 चक्र में सभी आईसीसी आयोजनों के लिए हाइब्रिड मॉडल तय किया गया है जो भारत या पाक में आयोजित किए जाएंगे। आमिर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के हाइब्रिड मॉडल का स्वागत किया और इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि एक क्रिकेटर के रूप में मैं चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में तटस्थ स्थान में भारत बनाम पाकिस्तान मैच की घोषणा का स्वागत करता हूं। आमिर ने आगे कहा कि मैं इस बात का स्वागत करता हूं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच हो रहा है। मैं खुश हूं और मुझे भरोसा है कि वे सभी जो इसे देखना चाहते हैं, वो भी खुश होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.
- मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें.
- रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें.
- उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

- उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें.
- बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें.
- किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.
- उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें.
- फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें.
- सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें.
- रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें.
- समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला ने ऑन लाइन मंगाया इलेक्ट्रॉनिक सामान, पार्सल में आ गया मानव-शव

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला को एक पार्सल के द्वारा लाश मिली है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी हरकत में आई और शव को ऑटोप्सी के लिए भेजा गया है। अब तक साफ नहीं हो सका है कि शव किसका है। महिला घर निर्माण में लगने वाली सामग्री का इंतजार कर रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, घटना उंदी मंडल के येंडागांदी गांव की है। नाग तुलसी नाम की एक महिला ने घर बनाने में मदद के लिए क्षत्रिय सेवा समिति को पत्र लिखा था। इसके बाद महिला को समिति की तरफ से टाइल्स भेजे गए थे। इसके बाद जब महिला ने फिर मदद मांगी, तब समिति ने कथित तौर पर इलेक्ट्रॉनिक सामान उपलब्ध कराने का वादा किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, आवेदक को मैसेज मिला कि लाइट, पंखे और स्विच भेज दिए जाएंगे। इसके बाद गुरुवार देर रात एक शख्स उनके घर पहुंचा और पार्सल छोड़कर चला गया। साथ ही महिला को बताया कि पार्सल में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं। बाद में जब तुलसी ने बॉक्स खोला, तब वह दंग रह गई। बॉक्स में एक शव मिला। इसके बाद हैरान परिवार ने पुलिस को तत्काल इसकी सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। बाद में शव को ऑटोप्सी के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खबर है कि बॉक्स में एक लेटर भी मिला है, इसमें परिवार से 1.30 करोड़ रुपये की मांग की गई है। साथ ही कहा गया है कि रकम नहीं मिलने पर गंभीर परिणाम होगा।

संजय राउत के घर की रेकी, बाइक सवार युवकों की तलाश में मुंबई पुलिस

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के घर की रेकी का मामला सामने आया है। सांसद राउत के परिवार का आरोप है कि बाइक पर सवार दो लोग उनके घर की रेकी करने आए थे। ये दोनों व्यक्ति हेलमेट और मास्क पहने हुए थे और उनके घर की तस्वीरें भी लीं। राउत के परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। संजय राउत के भाई और शिवसेना (यूबीटी) विधायक सुनील राउत ने बताया कि भांडुप इलाके में स्थित संजय राउत के घर के पास दो बाइक सवार युवकों ने 20 दिसंबर की सुबह रेकी की। दोनों बाइक सवारों ने घर की तस्वीरें लीं, इस लेकर राउत परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बात दें कि राउत अक्सर अपने बयानों के कारण सुर्खियों में रहते हैं। वह 15 नवंबर 1961 को अलीबाग, महाराष्ट्र में जन्मे थे और उनकी शिक्षा मुंबई विश्वविद्यालय से हुई है। राउत की शादी वर्षा राउत से 1993 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं।

दिल्ली में फिर डीपीएस स्कूल को मिली धमकी

नई दिल्ली। स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। शुक्रवार को सुबह सुबह एक बार फिर दिल्ली के डीपीएस स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला है। जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने परिसर में तलाशी अभियान प्रारंभ किया। पुलिस ने यह जानकारी दी है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि हमें द्वारका सेक्टर-23 स्थित डीपीएस से बम की धमकी के बारे में सुबह पांच बजकर दो मिनट पर फोन आया। तलाशी अभियान के दौरान फिलहाल कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली है। पुलिस पूरे माले की जांच कर रही है। बता दें कि पिछले 11 दिन में यह छठी बार है जब राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों को ऐसी धमकियां मिली हैं।

दिल्ली में घना कोहरा और शीतलहर जारी, एक्यूआई 434 पर पहुंचा

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को घने कोहरे के साथ शीतलहर का प्रकोप जारी है, जिससे ठंड बढ़ी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो सामान्य से काफी कम था। कोहरे और शीतलहर के कारण कई लोग रात में आश्रय गृहों में शरण लेने को मजबूर हो गए। यमुना बाजार और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख इलाकों में ऐसी स्थिति देखी गई। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी गंभीर श्रेणी में है, जिससे लोगों को सांस लेने में भी कठिनाई हो रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक शुक्रवार सुबह 8 बजे दिल्ली का एक्यूआई 434 पर पहुंच गया। आरके पुरम में एक्यूआई 453, रोहिणी में 452, शादीपुर में 436 और विवेक विहार में 451 दर्ज किया गया। यह स्थिति राजधानी के कई हिस्सों में गंभीर और गंभीर से अधिक श्रेणी के बीच थी। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में भी शीतलहर चल रही है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, राजस्थान, और यूपी के कुछ इलाकों में शीतलहर और घने कोहरे छा रहा है। इसके साथ ही, दिल्ली और आसपास के इलाकों में पाले भी गिर रहा है। आईएमडी ने आने वाले दिनों में भी शीतलहर और घने कोहरे की संभावना जताई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

पत्नी को गुजारा भत्ता देने 80,000 के सिक्के लेकर कोर्ट आया शख्सह्न

– जज ने सिक्के लेने से किया इनकार, कहा नोटों में करें भुगतान

चेन्नई । कोयंबटूर में एक शख्स ने अपनी पत्नी को अंतरिम गुजारा भत्ता देने के लिए अदालत में 80,000 रुपये सिक्कों में जमा कराए। यह घटना बुधवार को एडिशनल फैमिली कोर्ट में हुई। शख्स को अदालत ने 2 लाख रुपये अंतरिम गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। वह 2 और 1 रुपये के सिक्कों के 20 बंडल लेकर अदालत पहुंचा। इस पर जज ने उसे नोटों में भुगतान करने को कहा। गुरुवार को उसने नोटों में पैसे जमा करा दिए। बाकी 1.2 लाख रुपये जल्द जमा करने का निर्देश दिया गया है। दरअसल कोयंबटूर का 37 वर्षीय व्यक्ति एक टैक्सी मालिक और ड्राइवर है। वह वडावल्ली का रहने वाला है। उसकी बहन यूएस में रहती है।

शाह ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलरेन्स पर कहा- जल्द ही आतंक मुक्त होगा जम्मू और कश्मीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में जम्मू और कश्मीर पर उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक (आईबी), रॉ प्रमुख, सेनाध्यक्ष, जीओसी-इन-सी (उत्तरी कमान), डीजीएमओ, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलरेन्स की नीति के तहत, हम जल्द से जल्द 'आतंकमुक्त जम्मू और कश्मीर' के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे और इसके लिए सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार, सभी सुरक्षाबलों के एकजुट प्रयासों के साथ जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद पर संपूर्ण वर्चस्व स्थापित करने के प्रति कटिबद्ध है। शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर के लोगों की अभूतपूर्व भागीदारी से पता चलता है कि उनका देश के लोकतंत्र पर पूरा विश्वास है। गृह मंत्री ने आतंकी घटनाओं, घुसपैठ और आतंकवादी संगठनों में युवाओं की भर्ती में उल्लेखनीय गिरावट के लिए सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का इको-सिस्टम लगभग खत्म हो गया है। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए समन्वित तरीके से काम जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने एरिया डॉमिनेशन प्लान और ज़ीरो टेरर प्लान का कार्यान्वयन मिशन मोड में करने पर ज़ोर दिया।

योगी का विरोधियों को जबाव, संभल हिंसा में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर-मस्जिद विवाद पर बड़ा बयान दिया है। अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि यदि हमें विश्व मानव सभ्यता को बचाना है, तब सनातन धर्म का सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मनीषियों ने वसुधैव कुटुम्बकम का सिद्धांत दिया था, और सनातन धर्म ही ऐसा धर्म है जिसने कठिन समय में अन्य धर्मों और मतों को शरण दी। सीएम योगी ने भारतीय इतिहास में हिंदू मंदिरों को बार-बार तोड़ने का जिक्र किया। उन्होंनेकहा, क्या कभी हिंदुओं के साथ ऐसा हुआ? क्या हुआ बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में? कभी काशी विश्वनाथ धाम, कभी अयोध्या में, कभी संभल में, तब कभी भोजपुर में हर समय हिंदुओं के मंदिरों को तोड़ा गया। योगी ने इतिहास के विवादास्पद शासक औरंगजेब पर भी कड़ा हमला किया। उन्होंने कहा, औरंगजेब का खानदान अब कोलकाता के पास रिक्शा चला रहा है। अगर उसने ईश्वर की दुर्गति नहीं की होती, तब उसकी औलादों को ये दिन नहीं देखना पड़ता। इस दौरान सीएम योगी ने हाल ही में हुई संभल हिंसा पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 1947 से अब तक संभल में 209 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है, और जिन लोगों ने कभी इस मुद्दे पर आवाज नहीं उठाई, वे अब मारे गए लोगों के लिए आंसू बहा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संभल हिंसा में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में मान सरकार ने दिया डल्लेवाल की सेहत का अपडेट, सभी पैरामीटर सामान्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान आंदोलन के बीच आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से डल्लेवाल की हेल्थ रिपोर्ट देने को कहा था, जिसके बाद पंजाब सरकार ने उनकी मेडिकल रिपोर्ट पेश की।

पंजाब सरकार ने अदालत को बताया कि डल्लेवाल की ईसीजी सामान्य है और सभी पैरामीटर सामान्य सीमा में हैं। उनका हार्ट भी सामान्य काम कर रहा है। राज्य के एजी गुरमिंदर सिंह ने कहा कि डल्लेवाल अब अपनी मेडिकल जांच में सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा, कोर्ट ने आदेश दिया कि डल्लेवाल की स्थिति की निगरानी के लिए उन्हें धरने वाली जगह के पास अस्थायी अस्पताल में शिफ्ट किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने 19 दिसंबर को मान सरकार से कहा था कि वे डल्लेवाल की स्वास्थ्य की जांच करे और उसकी रिपोर्ट अदालत में पेश करे। कोर्ट ने मान सरकार को फटकार लगाकर पूछा था कि वे अनशन पर बैठे डल्लेवाल की मेडिकल जांच क्यों नहीं कर रही है। डल्लेवाल कैंसर के मरीज हैं और वह फसलों पर एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) की कानूनी गारंटी सहित कई अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

डॉक्टरों की रिपोर्ट के मुताबिक, डल्लेवाल का ब्लड प्रेशर कम हो गया था और उनके पैरों की मालिश की गई थी। हालांकि, उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि उनकी जान खतरे में हो सकती है। डॉक्टरों का कहना था कि उनका कीटोन्स का स्तर बहुत अधिक है और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण किसी भी समय कार्डियक अरेस्ट हो सकता है।

23 दिसंबर से पश्चिम चंपारण से सीएम नीतीश शुरु करेंगे प्रगति यात्रा

– योजनाओं का जमीनी हकीकत जानेंगे और विकास कार्यों का करेंगे निरीक्षण

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार प्रगति यात्रा की शुरुआत 23 दिसंबर को पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर से करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य सरकार की योजनाओं का जमीनी हकीकत से रूबरू होना और विकास कार्यों का निरीक्षण करना है। सीएम नीतीश सबसे पहले वाल्मीकिनगर के घोटहवा टोला पहुंचेंगे, जहां वह लोगों को संबोधित करेंगे और सरकार द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा देंगे। इसके बाद वह मझौलिया के धोकरहा पंचायत स्थित शिकारपुर गांव जाएंगे। यहां वह मनरेगा पार्क का दौरा करेंगे जिसे विशेष रूप से सजाया जा रहा है।

प्रगति यात्रा के दौरान सीएम नीतीश एसडीआरएफ ट्रेनिंग सेंटर और मनरेगा पार्क का उद्घाटन करेंगे। इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के चहुंमुखी विकास को बढ़ावा देना है। इसके बाद सीएम बेतिया के कठईया जाएंगे, जहां वह बाईपास रोड का निरीक्षण करेंगे। प्रगति यात्रा का यह पहला चरण 23 से 28 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार पश्चिम चंपारण के अलावा मोतिहारी, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली और मुजफ्फरपुर जिलों का भी दौरा करेंगे। यात्रा के दूसरे चरण का शेड्यूल फिलहाल जारी नहीं किया गया है।

सीएम नीतीश की इस यात्रा को लेकर विपक्ष ने सवाल खड़े किए हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसे राजनीतिक ड्रामा बताते हुए कहा कि सरकार को पहले अपनी विफलताओं का जवाब देना चाहिए। जिला प्रशासन की टीम सीएम के दौरे को लेकर पूरी तरह सक्रिय है। बेतिया के जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय और एसपी डॉक्टर शौर्य सुमन तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। सीएमए नीतीश कुमार की यह यात्रा जनता से सीधे संवाद और विकास योजनाओं का आकलन करने की दिशा में एक अहम कदम है।

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक : पति से जबरन वसूली के लिए कानून नहीं है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून के सख्त प्रावधान महिलाओं की भलाई के लिए हैं न कि उनके पतियों को 'दंडित करने, धमकाने, उन पर हावी होने या उनसे जबरन वसूली करने' के लिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस पंकज मिथल ने कहा कि हिंदू विवाह एक पवित्र प्रथा है, जो परिवार की नींव है, न कि कोई व्यावसायिक समझौता। कोर्ट ने कहा, महिलाओं को इस बात को लेकर सावधान रहने की जरूरत है कि उनके हाथों में कानून के ये सख्त प्रावधान उनकी भलाई के लिए हैं, न कि उनके पतियों को दंडित करने, धमकाने, उन पर हावी होने या उनसे जबरन वसूली करने के साधन के रूप में हैं।पीठ ने कहा कि विशेष रूप से वैवाहिक विवादों से संबंधित अधिकांश शिकायतों में दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और विवाहित महिला से क्रूरता करने सहित भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं को लगाने के लिए शीर्ष अदालत ने कई मौकों पर फटकार लगाई है।पीठ ने यह टिप्पणी अलग-अलग रह रहे एक दंपति के विवाह को समाप्त करते हुए कहा कि यह रिश्ता पूरी तरह से टूट चुका है। पीठ ने कहा, आपराधिक कानून के प्रावधान महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण के लिए हैं लेकिन कभी-कभी कुछ महिलाएं इनका इस्तेमाल ऐसे उद्देश्यों के लिए करती हैं, जिनके लिए वे कभी नहीं होते। इस मामले में पति को एक महीने के भीतर अलग रह रही पत्नी को उसके सभी दावों के पूर्ण और अंतिम निपटान के रूप में स्थायी गुजारा भत्ता के रूप में 12 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया था।

उत्तराखंड के सभी मदरसों का होगा वेरिफिकेशन

धामी सरकार का आदेश, 30 दिन में पूरा होगा काम

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तराखंड पुलिस ने राज्य में कुछ मदरसों के अवैध रूप से चलने की शिकायतों के बाद मदरसों की जांच करने का आदेश दिया है. पुलिस महानिरीक्षक (अपराध और कानून व्यवस्था) निलेश आनंद भरणे ने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से डीजीपी को इस संबंध में निर्देश मिलने के बाद यह आदेश जारी किया गया है. उन्होंने कहा कि यह जांच प्रक्रिया बच्चों की सुरक्षा और राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक है. आईजीपी ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अवैध गतिविधियों को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि सभी मदरसे कानूनी ढांचे के भीतर कार्य करें. सभी जिलों को एक महीने के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है. जांच अभियान का फोकस यह पता लगाने पर होगा कि मदरसों के पास पंजीकरण है या नहीं और सभी जरूरी दस्तावेज हैं या नहीं. इसके अलावा, मदरसों के वित्त पोषण के स्रोत और वहां पढ़ रहे बच्चों की जांच भी की जाएगी.

उत्तराखंड के मदरसों में पढ़ाई जाएगी संस्कृत और अरबी

हाल ही में उत्तराखंड मदरसा एजुकेशन बोर्ड ने उत्तराखंड के मदरसों में संस्कृत विषय शामिल करने का फैसला लिया था. इसके साथ ही यह फैसला भी लिया गया कि अरबी भाषा की शिक्षा भी दी जाएगी. इस बात की जानकारी उत्तराखंड मदरसा एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून काजमी ने दी थी. उन्होंने कहा था कि संस्कृत और अरबी दोनों प्राचीन भाषाएं हैं और इनमें आपस में कई समानताएं हैं. हमारे मदरसों में एनसीईआरटी का कोर्स लागू किया और 96.5 पर्सेंट बच्चे पास हुए हैं. हम उन बच्चों को मेन स्ट्रीम से जोड़ रहे हैं जिसे पूर्व सरकारों ने भय दिखाकर मुख्यधारा से काटा था.

उत्तर प्रदेश मदरसों को लेकर सुप्रीम कोर्ट का आदेश

संबंधित मामले में, उत्तर प्रदेश में 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के राज्य कानून को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया था, जो मुस्लिम अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों को नियंत्रित करता है. कोर्ट ने कहा था कि एक कानून को धर्मनिरपेक्षता के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता. सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि धर्मनिरपेक्षता का सकारात्मक विचार राज्य से यह अपेक्ष करता है कि वह अल्पसंख्यक संस्थाओं को धर्मनिरपेक्ष संस्थाओं के समान दर्जा दे और सभी को समान रूप से मान्यता दे, चाहे उनका विश्वास और धर्म कुछ भी हो. यह आदेश सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा कानून की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखते हुए दिया. इस फैसले ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें मदरसा कानून को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करार दिया गया था.

मंदिर-मस्जिद विवादों को उठाना स्वीकार्य नहीं

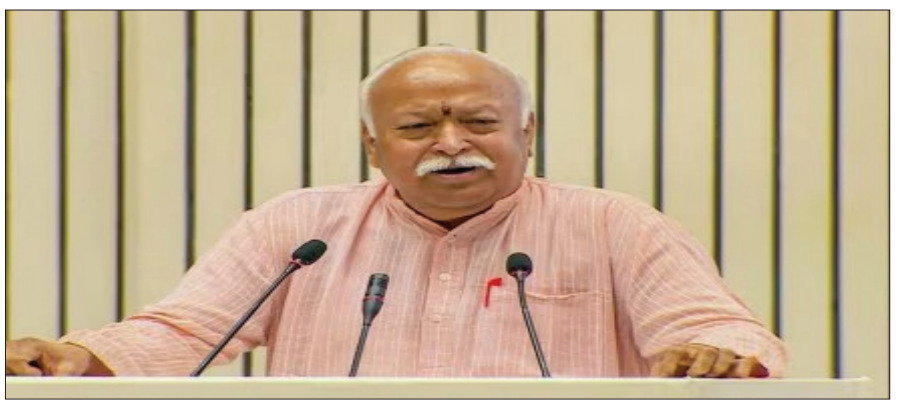

*** यह कह संघ प्रमुख भागवत ने जताई चिंता**

*** हिंदु-मुस्लिम कर समाज में पैदा कर रहे तनाव**

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने देश में चले रहे मंदिर-मस्जिद विवादों को फिर से उठाने (उभारने) पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोग इन विवादों को उठाकर हिंदुओं के नेता बनने का प्रयास कर रहे हैं, जो समाज में और ज्यादा तनाव पैदा कर सकते हैं।

भागवत ने आगे कहा कि यह स्थिति स्वीकार्य योग्य नहीं है और ऐसे विवादों का उठना समाज की एकता को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने इस मुद्दे पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि राम मंदिर का निर्माण हिंदू आस्था का विषय था, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसे विवादों को फिर से तूल दिया जाए। आरएसएस प्रमुख ने समावेशी समाज की जरुरत पर बल दिया और कहा कि भारतीय समाज अपनी विविधता के साथ शांति और सद्भावना से रह सकता है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर रामकृष्ण मिशन में क्रिसमस मनाए जाने की बात कही और इसे भारतीय समाज की परंपरा का हिस्सा बताया। उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत अब संविधान के अनुसार चलता है और किसी भी प्रकार के वर्चस्व की भाषा का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा रही है कि यहां सभी अपनी-अपनी पूजा पद्धतियों का पालन कर सकते हैं, बशर्ते वे कानून का सम्मान करें।

बता दें इससे पहले मंदिरों के सर्वेक्षण और मस्जिदों के नीचे शिवलिंग की खोज को लेकर अदालतों में कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनका आरएसएस प्रमुख ने विरोध किया था। भागवत का यह बयान देश में सद्भावना और एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

महाकुंभ में लोगों के ठहराने के लिए सरकार घरों को बना रही होम स्टे

*** श्रद्धालुओं को मिलेगा घर जैसा पारंपरिक खाना और परिवार जैसा अनुभव**

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए यूपी सरकार पूरी तरह से जुटी है। इस बार कुंभ में उम्मीद से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। ऐसे में श्रद्धालुओं को ठहराना सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इसे देखते हुए सरकार ने कई उपाय किए हैं, जिनमें स्थानीय घरों को होम स्टे में बदलने की योजना तैयार की जा रही है।

अब तक 26 घरों को होम स्टे बनाया गया है, और 36 अन्य घरों को होम स्टे में तब्दील करने के लिए आवेदन आए हैं। पर्यटन विभाग के मुताबिक होम स्टे में श्रद्धालुओं को घर जैसा माहौल मिलेगा, जिसमें वे पारंपरिक खाना और परिवार जैसा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इन घरों में कम से कम दो और अधिकतम पांच कमरे होने चाहिए। साथ ही आग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और खाने की व्यवस्था मकान मालिकों को ही करनी होगी। इन होम स्टे की जानकारी और बुकिंग महाकुंभ मेला और यूपी पर्यटन की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

इसके अलावा टेंट सिटी और होटलों में ठहरने की व्यवस्था पर भी काम किया जा रहा है। प्रयागराज के सभी छोटे-बड़े होटलों और गेस्ट हाउस की क्षमता का आकलन किया जा रहा है। होटल संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वह श्रद्धालुओं से ज्यादा किराया न वसूलें। इसके अलावा कई हैरिटेज प्रॉपर्टीज को भी ठहरने की सुविधा में तब्दील किया जा रहा है। सरकार आगजनी और अन्य संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों पर भी जोर दे रही है। सभी आवासीय और अस्थायी ठिकानों पर आग से बचाव के इंतजाम किए जा रहे हैं।

पर्यटन विभाग की रीजनल ऑफिसर ने बताया कि श्रद्धालुओं को ठहराने की व्यवस्था करना महाकुंभ की सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए टेंट सिटी, होम स्टे, होटल और गेस्ट हाउस जैसी सुविधाओं को सक्रिय रूप से तैयार किया जा रहा है। महाकुंभ 2025 के लिए सरकार का यह मेगा प्लान न केवल इसे भव्य बनाएगा, बल्कि इसे श्रद्धालुओं के लिए सुखद और सुरक्षित अनुभव भी बनाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की हरकत से भड़का अमेरिका, सरकारी एयरोस्पेस एवं रक्षा एजेंसी सहित 4 पाक कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

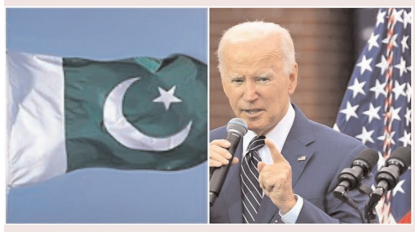

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में मदद के आरोप में सरकारी एयरोस्पेस एवं रक्षा एजेंसी नेशनल डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स समेत चार पाकिस्तानी कंपनियों पर बुधवार को प्रतिबंध लगा दिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के लंबी दूरी के मिसाइल कार्यक्रम से होने वाले खतरे के मद्देनजर अमेरिका ने चार संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा रहा है। एनडीसी के अलावा, तीन अन्य संस्थाएं 'अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, 'एफिलिएट्स इंटरनेशनल और 'रॉकसाइड एंटरप्राइज हैं। ये तीनों कराची में स्थित हैं, जबकि एनडीसी इस्लामाबाद में है। एनडीसी ने पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए सामग्री हासिल करने के वास्ते काम किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका का आकलन है कि एनडीसी पाकिस्तान की बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास के लिए जिम्मेदार है, जिसमें शाहीन सीरीज की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल हैं। वहीं, अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड ने पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए उपकरणों की आपूर्ति के वास्ते एनडीसी के लिए काम किया है। एफिलिएट्स इंटरनेशनल ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक-मिसाइल कार्यक्रम की खातिर एनडीसी और अन्य के लिए उपकरण खरीदे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि रॉकसाइड एंटरप्राइज ने पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए उपकरणों की आपूर्ति के लिए एनडीसी के लिए काम किया है।

अफगानिस्तान में दो भयानक बस हादसों से मचा कोहराम, 52 लोगों की मौत व 65 घायल

काबुल एजेंसी। अफगानिस्तान के काबुल-कंधार हाईवे पर हुए दो बड़े सड़क हादसों में कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई, जबकि 65 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसे गजनी प्रांत के अलग-अलग इलाकों में गुरुवार को हुए। अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि की है। पहली दुर्घटना गजनी प्रांत के शाहबाज गांव के पास हुई। एक यात्री बस ईंधन से भरे टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और टैंकर दोनों में आग लग गई। 20यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई गंभीर रूप से झुलस गए। दूसरी घटना गजनी के अंदार जिले में हुई, जहां एक बस एक बड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में भी कई लोगों की जान गई और दर्जनों घायल हो गए। हादसों के तुरंत बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अफगानिस्तान में काबुल-कंधार हाईवे पर इस तरह के हादसे अक्सर होते हैं। खराब सड़कें, ट्रैफिक नियमों का पालन न करना और ओवरलोड वाहन इन दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण माने जाते हैं। खासकर, ईंधन से भरे टैंकरों की मौजूदगी हादसों की गंभीरता को और बढ़ा देती है। यह पहली बार नहीं है जब इस हाइवे पर इतना बड़ा हादसा हुआ हो। पिछले कुछ वर्षों में इसी तरह के कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

अमेरिका में भारतीय शख्स ने नाबालिग को यौन गतिविधि में शामिल होने का दिया लालच, अब होगी 10 साल की सजा

वाशिंगटन एजेंसी। भारतीय नागरिक कीर्तन पटेल (24) ने एक नाबालिग को यौन गतिविधि में शामिल होने का लालच देने की कोशिश करने का दोष स्वीकार कर लिया है। एक अमेरिकी वकील ने बुधवार को यह जानकारी दी। पटेल को न्यूनतम 10 साल से अधिकतम उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। वह फिलहाल जेल में है। वह फ्लोरिडा में रहता है। उसे सजा सुनाये जाने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। अपराध स्वाकारोक्ति समझौते के तहत 22 मई से 24 मई के बीच पटेल ने यह सोचकर एक व्यक्ति से संवाद किया कि वह 13 वर्षीय बालिका है। हालांकि, वह व्यक्ति 'होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन (एचएसआई) का विशेष एजेंट था। पटेल ने अंडरकवर एजेंट के साथ यौन-उत्पीड़न संबंधी बातचीत की। अमेरिकी अटॉर्नी रोजर बी हैंडबर्ग ने बताया कि अंततः पटेल को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह बच्ची के साथ यौन क्रियाकलाप करने के लिए मैरियन काउंटी में एक स्थान पर गया था।

गाजा और यूक्रेन में फंसी रही दुनिया, इधर चीन ने बढ़ा ली परमाणु शक्ति; एक साल में जुटाए 100 हथियार

वॉशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट और यूरोप के कई देश फिलहाल जंग की मार झेल रहे हैं। बीते साल इजरायल ईरान और रूस यूक्रेन की जंग में दुनिया के कई देश उलझे रहे। इस दौरान पूरी दुनिया का ध्यान गाजा और यूक्रेन पर ही रहा। हालांकि इस बीच भी चीन अपनी चालबाजियों में जुटा रहा। अमेरिका में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते साल चीन की परमाणु शक्ति कई गुणा बढ़ गई है। यह रिपोर्ट बुधवार को सामने आई है जिसमें कई खुलासे और दावे किए गए हैं। पेंटागन की रिपोर्ट के मुताबिक चीन अपने परमाणु शक्ति बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन ने ताइवान के खिलाफ आक्रमकता बढ़ा दी है। वहीं पिछले एक साल में चीन ने रूस के साथ नजदीकियां भी बढ़ाई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मई तक चीन के पास लगभग 600 परमाणु हथियार थे। दावा किया गया है कि 2030 तक यह आंकड़ा 1,000 से भी ज्यादा होगा।

चीन का आया जवाब : इस रिपोर्ट पर चीन ने भी जवाब दिया है। चीन ने कहा है कि वह सेल्फ डिफेंस के लिए परमाणु रणनीति को अपनाता है। चीन ने हमेशा पहले आक्रमण ना करने की नीति का पालन किया है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी न्यूनतम स्तर पर अपनी परमाणु क्षमताओं को बनाए रखा है। चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंग्यू ने बुधवार को कहा कि पेंटागन की ऐसी रिपोर्ट कोल्ड वार की मानसिकता से भरी हुई हैं, जिसका चीन दृढ़ता से विरोध करता है।

क्या प्लानिंग कर रहा चीन : एक

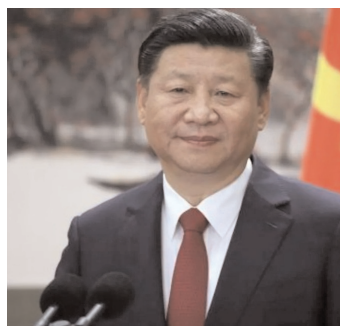

अमेरिकी अधिकारी ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि बीजिंग तकनीकी रूप से लैस परमाणु शक्ति विकसित करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। परमाणु हथियारों की अपेक्षित संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। अधिकारी ने कहा कि चीन अलग-अलग तरह के लक्ष्यों पर हमला करने, अधिक नुकसान करने और जवाबी हमलों के लिए अधिक विकल्प रखने में सक्षम होने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने कई मौकों पर चीन से अपने परमाणु कार्यक्रम के बारे में अधिक पारदर्शी होने की अपील की है।

जस्टिन ट्रूडो पर अब कनाडा पुलिस को ही भरोसा नहीं, सीधे कर डाली इस्तीफे की मांग : ओटावा एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ विरोध बढ़ता नजर आ रहा है। अब खबर है कि टीपीए यानी टोरंटो पुलिस एसोसिएशन ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग कर दी है। संगठन ने यह कदम हाल ही में सरकार की तरफ से प्रस्तावित क्रिमिनल कोड में बदलाव के बाद उठाया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब कनाडा की उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने इस्तीफा दिया है। टीपीए के आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया गया, हमारे सदस्यों का जस्टिन ट्रूडो सरकार से भरोसा उठ गया है कि वह अब सही कारणों से सही काम करेगी। अब इस्तीफा देने और जनता की सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों को किसी और को संभालने देने का समय आ गया है। इससे पहले एसोसिएशन ने कहा था, यह बहुत ही हास्यापद है। 9 साल तक कुछ न करने के बाद आपने ऐसे समय का चुनाव किया जब आपकी सरकार अराजकता में उतर रही है और प्रस्तावों के जरिए हमें शांत करने की कोशिश की जा रही है। क्या मजाक है। साथ ही पोस्ट में पीएम ट्रूडो को टैग भी किया गया है।

सरकार के प्रस्ताव : दरअसल, कनाडाई सांसद अनिता आनंद की तरफ से कुछ प्रस्ताव पेश किए गए थे। पहला, क्रिमिनल कोड में संशोधन, ताकि बार बार और हिंसक अपराध करने वालों को जिम्मेदार ठहराया जा सके। दूसरा, वाहन की चोरी, तोड़फोड़ और जबरन घुसने जैसे हिंसक अपराधों में जमानत के लिए कड़ी शर्तें। तीसरा, निर्यात किए जाने वाले माल की जांच का अधिकार CBSA अधिकारियों को देना।

वित्त मंत्री का इस्तीफा : उप प्रधानमंत्री के साथ-साथ वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के निर्देश के बाद सोमवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने की घोषणा की। फ्रीलैंड ने कहा कि प्रधानमंत्री ट्रूडो ने उनसे वित्त मंत्री पद छोड़ने और मंत्रिमंडल में कोई दूसरी भूमिका लेने के लिए कहा था। फ्रीलैंड ने अपने त्यागपत्र में कहा कि ऐसी स्थिति में उन्होंने मंत्रिमंडल छोड़ने का ही ईमानदार और व्यावहारिक रास्ता अपनाना बेहतर समझा। कनाडा में हाल के समय में ट्रूडो सरकार की लोकप्रियता में लगातार गिरावट आई है। ऐसे में ट्रूडो सरकार की सबसे ताकतवर मंत्री फ्रीलैंड के इस्तीफे को तगड़ा झटका माना जा रहा है।

महिलाएं नाजुक फूल हैं जहां हिजाब ना पहनने पर मिलती है मौत, क्या बोले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई : तेहरान, एजेंसी। ईरान का नाम दुनिया के उन देशों में शामिल है जिन देशों ने महिलाओं पर सबसे अधिक प्रतिबंध लगाए हैं। बीते सप्ताह ही ईरान में ऐसे नियमों को लागू करने की खबरें सामने आई थीं जिसके तहत हिजाब ना पहनने पर महिलाओं को मौत की सजा तक दी जा सकती है। हालांकि बवाल के बाद ईरान ने इन कानूनों पर फिलहाल रोक लगाई है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने एक ऐसा बयान दिया है जो आपको बेहद हैरान कर सकता है। खामेनेई ने कहा है कि महिलाएं 'नाजुक फूल' हैं और उनके साथ नौकरानी की तरह व्यवहार नहीं होना चाहिए।

नाइजीरिया में स्कूल मेले में मची भगदड़, 30 बच्चों की मौत

लागोस , एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी नाइजीरिया में बुधवार को एक स्कूल द्वारा छुट्टियों पर आयोजित मेले के दौरान मची भगदड़ में 30 बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय गवर्नर ने यह जानकारी दी। ओयो राज्य के गवर्नर सेई मकिंडे ने बताया कि भगदड़ राज्य के इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में हुई। उन्होंने बताया कि घटना के मद्देनजर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। राज्य के गवर्नर सेई मकिंडे ने एक दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए फेसबुक पर एक बयान जारी किया। यह घटना इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां भगदड़ मचने के कारण कई लोगों की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में यह कार्यक्रम परिवारों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। हालांकि, कुछ कारणों से कार्यक्रम स्थल पर स्थिति अचानक अनियंत्रित हो गई और भगदड़ मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भारी भीड़ के बीच अव्यवस्था फैलने से लोगों ने अपना आपा खो दिया, जिससे यह त्रासदी हुई। गवर्नर सेई मकिंडे ने कहा, ÷यह एक अत्यंत दुखद घटना है, जिसमें हमने कई अनमोल जानें खो दी हैं। इस त्रासदी ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के कारण जो परिवार और प्रियजन प्रभावित हुए हैं, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि कार्यक्रम के मुख्य आयोजकों की लापरवाही इस भगदड़ का प्रमुख कारण हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि आयोजकों को हिरासत में ले लिया गया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गवर्नर मकिंडे ने भरोसा दिलाया कि घटना की पूरी तरह से निष्पक्ष और गहन जांच की जा रही है।

अमेरिका में बच्चों को वर्कप्लेस पर लाने का बढ़ रहा कल्चर, रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी ने बताई वजह

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में इन दिनों अपने बच्चों को वर्कप्लेस पर लाने का कल्चर बढ़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नेता इसे खास तौर पर फॉलो कर रहे हैं। कुछ दिन पहले अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क कैपिटल हिल अपने 4 साल के बेटे के साथ पहुंचे थे। वहीं अब भारतीय मूल के रिपब्लिकन नेता और उद्योगपति विवेक रामास्वामी भी एक कार्यक्रम के दौरान अपने बेटे कार्तिक के साथ देखे गए। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, जेम्स डेविड वेंस समेत कई रिपब्लिकन नेता मौजूद थे।

ट्रंप ने की कार्तिक से बात : इस दौरान ट्रंप ने रामास्वामी के बेटे कार्तिक को दुलारा और उससे बात की। कार्तिक ने अमेरिकी न्यूज प्रजेंटर पीट हेगसेथ के साथ कुछ पुश अप भी किए। ट्रंप के साथ अपने बेटे की तस्वीर रामास्वामी ने सोशल मीडिया साइट पर शेयर करते हुअ लिखा, मुझे हमारे 47वें राष्ट्रपति के बारे में एक बात सबसे ज्यादा पसंद है कि वह बच्चों को काफी प्यार करते हैं। वहीं हेगसेथ के साथ पुश अप की वीडियो शेयर करते हुए रामास्वामी ने लिखा, हमारे डिफेंस सेक्रेटरी को पता है कि युवाओं की भर्ती कैसे करनी है। कार्तिक को आज एक नया दोस्त मिला। एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप प्रशासन के नेताओं की उनके बच्चों और पोतों के साथ तस्वीर को शेयर करते हुए यह संदेश देने की कोशिश की गई।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाक सुरक्षा बलों ने चलाया अभियान, 11 आतंकवादियों को किया ढेर

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तीन अलग-अलग अभियानों में 11 आतंकवादियों को मार गिराया। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी।

पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, ये अभियान 17 और 18 दिसंबर को प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए।

तीन जगहों पर चला अभियान: इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद टैंक जिले में पहला ऑपरेशन चलाया गया। ऑपरेशन के दौरान सात आतंकवादी मारे गए। वहीं, दूसरा ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल में हुआ, जहां दो आतंकवादी मारे गए। मोहमंद जिले में दो और आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पाकिस्तान में आतंकवादी हिंसा और आतंकवाद विरोधी अभियानों में होने वाली मौतों में तेज वृद्धि देखी गई, जिसमें हिंसा में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समीक्षाधीन अवधि के दौरान दर्ज 328 घटनाओं में नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और अपराधियों सहित कुल 722 लोग मारे गए, जबकि 615 अन्य घायल हुए। इनमें से लगभग 97 प्रतिशत मौतें खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुईं - जो एक दशक में सबसे अधिक प्रतिशत है और आतंकवादी हमलों और सुरक्षा बलों के अभियानों की 92 प्रतिशत से अधिक घटनाएं इन्हीं प्रांतों में दर्ज की गईं। 8 दिसंबर को हुए अभियान में मारे गए 22 आतंकवादी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो दिनों में तीन अलग-अलग अभियानों के दौरान कम से कम 22 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जबकि छह सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग ने शनिवार को यह जानकारी दी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि खुफिया-आधारित ऑपरेशन (आईबीओ) खैबर पख्तूनख्वा के टैंक, उत्तरी वजीरिस्तान और थाल जिलों में 6 से 7 दिसंबर तक हुए। टैंक जिले में, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सैनिकों ने गुल इमाम क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकाने पर प्रभावी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप नौ आतंकवादियों की मौत हो गई, जबकि छह घायल हो गए। वजीरिस्तान में 10 आतंकवादियों को मार गिराया उत्तरी वजीरिस्तान में कम से कम 10 आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया, जबकि तीसरी मुठभेड़ में, आईएसपीआर के अनुसार, सुरक्षा बलों ने थाल जिले में एक चेक पोस्ट पर हमला करने के आतंकवादियों के प्रयास को विफल कर दिया, जिसके दौरान तीन आतंकवादी मारे गए। हालांकि, भीषण गोलीबारी के दौरान छह सैनिक भी मारे गए। आईएसपीआर ने कहा, क्षेत्र में आतंकियों के सफाए के लिए अभियान शुरू किया गया है।

ट्रंप का कनाडा पर करारा तंज, ट्रूडो की हो रही किरकिरी

वॉशिंगटन , एजेंसी। राजनीतिक उठापटक से जूझ रहे कनाडा के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ भारत से पंगे के बीच उसके लिए कई समस्याएं खड़ी हुई हैं। वहीं, अब अमेरिका भी लगातार उसका इम्तिहान ले रहा है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले तो कनाडा पर टैक्स बढ़ाने की बात की। अब उन्होंने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव तक दे डाला। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट किया। उन्होंने आगे लिखा कि बहुत से कनाडाई भी इस कदम का स्वागत कर रहे हैं। ट्रंप की इस पोस्ट को कनाडा के ऊपर बहुत बड़ा तंज माना जा रहा है। असल में इस हफ्ते एक लेगर जनमत सर्वेक्षण हुआ है। इसमें पाया गया कि 13 प्रतिशत कनाडाई अपने दक्षिणी पड़ोसी के साथ जुड़ने की धारणा का समर्थन करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इसी सर्वे के आधार पर कनाडा को 51वां राज्य बनाने की बात पोस्ट की है। डोनाल्ड ट्रंप ने तंज भरे अंदाज में लिखा कि कनाडा राजनीतिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में यहां के लोगों के लिए यह प्रस्ताव अच्छा हो सकता है। उन्होंने लिखा कि अगर कनाडा अमेरिका का हिस्सा बनता है तो टैक्स और सैन्य

सुरक्षा पर उसकी बड़ी बचत होगी।

बता दें कि ट्रंप लगातार अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स में ट्रूडो को कनाडा का गवर्नर बताते रहे हैं। अमेरिका के 50 राज्यों के नेताओं के लिए यही टाइटल इस्तेमाल किया जाता है। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही है। बीते दिनों जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ट्रंप से मिलने पहुंचे थे तब भी उन्होंने यह बात कही थी। उस वक्त भी इस बात को मजाक में उड़ा दिया गया था। बता दें कि सोमवार को कनाडा के डिप्टी पीएम ने इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद वहां पर राजनीतिक हालात और कठिन हो गए हैं। ओट्टावा में नाराजगी वहीं, डोनाल्ड ट्रंप की इस पोस्ट को लेकर कनाडा की राजधानी में नाराजगी है।

लोगों ने इसे एक भद्दा मजाक और अपमानजनक बताया है। ट्रूडो के पूर्व सलाहकार गेराल्ड बट्स ने सोशल मीडिया पर कहा कि ट्रंप एक मुक्केबाज की तरह कट लगा रहे हैं। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री और ट्रंप के गोल्फ मित्र ब्रायन मुलरोनी के पूर्व कर्मचारी नॉर्मन स्पेक्टर ने हैरानी जताई कि क्या ट्रंप गंभीरता से अमेरिका के उत्तरी पड़ोसी को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं।

गूगल ने पकड़ लिया कार की डिक्की में शव रखता शख्स, तस्वीर से खोला हत्या का राज

बार्सिलोना , एजेंसी। स्पेन से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां गूगल मैप्स की मदद से एक हत्या का खुलासा हुआ और संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना उत्तरी स्पेन के एक छोटे से गांव अंदालुज की है, जहां 32 वर्षीय क्यूबा के एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। घटना ने तब तूल पकड़ा जब गूगल मैप्स की एक तस्वीर ने इस अपराध को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया, जब गूगल मैप्स पर अपलोड की गई एक तस्वीर पुलिस के लिए हत्या की जांच में अहम सुराग साबित हुई। तस्वीर में एक व्यक्ति को कार की डिक्की में शव रखता हुआ देखा गया। गूगल मैप्स पर यह तस्वीर तब ली गई थी, जब कैमरा पास के इलाके में सड़कों की स्थिति का डेटा एकत्र कर रहा था।

स्पेनिश पुलिस को जानकारी मिली कि 32 वर्षीय क्यूबाई व्यक्ति जॉर्ज लुइस पेरेज पिछले साल से लापता था। उसकी हत्या के बाद, उसके क्षत-विक्षत शरीर को अलग-अलग जगहों पर ठिकाने लगाया गया था। पीड़ित के शव का एक हिस्सा अंदालुज के एक कब्रिस्तान में दफन पाया गया। गूगल मैप्स की तस्वीर में दिखाई देने वाले व्यक्ति को पुलिस ने संदिग्ध के रूप में पहचान लिया। जांच में यह भी पता चला कि संदिग्ध व्यक्ति की पूर्व पत्नी कभी पीड़ित से शादीशुदा थी। संदिग्ध पास के गांव ताजुएको में रहता था। पुलिस

ने जब गूगल मैप्स की तस्वीर का विश्लेषण किया, तो संदिग्ध और उसकी गतिविधियां स्पष्ट हो गईं। गूगल की यह तस्वीर हत्या के मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण सबूत बन गई। जॉर्ज लुइस पेरेज 2023 में अचानक लापता हो गया था। उसके परिवार ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, लेकिन पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिला। अक्टूबर 2024 में, गूगल ने अपने प्लेटफ़ॉर्म पर स्पेन के अंदालुज गांव की सड़कों की एक तस्वीर अपलोड की। इस तस्वीर में, संदिग्ध को कार की डिक्की में कुछ रखते हुए देखा गया।

सीरिया के बहाने आपस में फिर टकरा रहे दो पुराने दुश्मन, क्या खुलेगा जंग का चौथा मोर्चा

दश्मिक , एजेंसी। सीरिया में बशर अल-असद के शासन का अंत होने के बाद पश्चिमी एशिया के पुराने दो दुश्मनों के बीच एक बार फिर से टकराव उभर रहा है। सीरिया के भविष्य के बहाने इजरायल और तुर्की अपने परस्पर विरोधी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने का अवसर तलाश रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि सीरिया के विद्रोहियों ने तुर्की की मदद से ही सीरिया में तख्तापलट किया। ईरान तुर्की के इस कदम को गद्दारी मानता है। सीरिया में तख्तापलट से तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन सुन्नी मुस्लिम दुनिया के लिए खुद को नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। उधर, इजरायल भी सीरिया में कोई शासन न होने का अवसर देखते हुए इलाकों पर लगातार कब्जा कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के नेतृत्व में हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंध तेजी से खराब हुए हैं। इससे दोनों देशों के बीच सीरिया को लेकर कटु टकराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि तुर्की ने सीरिया के विद्रोही गुट 'हयात तहरीर अल-शाम' समूह (एचटीएस) के नेतृत्व में असद को सत्ता से हटाने के लिए किए गए हमले का समर्थन का किया है जिससे सीरिया के सहयोगी ईरान और रूस को धोखा मिला है। तेहरान का मानना है कि तुर्की के समर्थन के बिना एचटीएस यह नहीं कर पाता।

मौके की तलाश में इजरायल : तुर्की ने असद के शासन का अंत होने के तुरंत बाद दमिश्क में अपना दूतावास फिर से खोल दिया और उसने सीरिया का शासन चलाने में

एचटीएस को मदद करने की भी पेशकश की। दूसरी ओर, इजरायल ने अपनी क्षेत्रीय और सुरक्षा महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए सीरिया में किसी का भी शासन न होने का लाभ उठाया। इसने सीरिया के गोलान हाइट्स क्षेत्र में घुसपैठ की और देश भर में इसकी सैन्य संपत्तियों पर बड़े पैमाने पर बमबारी की। तुर्की ने सीरिया और गोलान हाइट्स पर इजराइल की कार्रवाई को जमीन हड़पने का प्रयास माना। अरब देशों ने इजरायल की इस कार्रवाई की निंदा की और सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की मांग की। इजरायल, सीरिया के एक जिहादी राज्य में तब्दील होने तथा वहां स्पष्ट रूप से एक इस्लामी समूह के सत्ता पर काबिज हो जाने से चिंतित है। हालांकि, एचटीएस के नेता अहमद अल-शरा ने संकेत दिया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के सुवालि बीच को तीन दिवसीय बीच फेस्टिवल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजराती लोग बीच का मजा लेने के लिए गोवा या दीव जाना पसंद करते हैं। हालांकि, अब बीच का मजा लेने के लिए गुजरात में ही एक नया स्पॉट आकार ले रहा है। सूरत के सुवालि बीच को वर्ल्ड क्लास बीच बनाने के लिए विकास कार्य की शुरुआत की जा चुकी है। लोग बीच से सीधे जुड़ सकें, इसके लिए राज्य सरकार ने लगातार दूसरे साल बीच फेस्टिवल का आयोजन किया है।

शुरू होने वाले तीन दिवसीय बीच फेस्टिवल में लोग यहां खाने-पीने के साथ भरपूर मनोरंजन का आनंद ले सकेंगे। किंजल दवे, गोपाल साधु जैसे कलाकार पर्यटकों को झूमने पर मजबूर करेंगे।

सूरत के सुवालि बीच पर राज्य सरकार द्वारा लगातार दूसरे साल सुवालि बीच फेस्टिवल का आयोजन किया गया है। इसका उद्घाटन आज केंद्रीय मंत्री सीआर पटेल के हाथों किया जाएगा।

बीच फेस्टिवल के पहले दिन लोक गायिका किंजल दवे का कार्यक्रम होगा। 21 तारीख को गोपाल साधु का लोक डायरो होगा और 22 तारीख को स्थानीय कलाकारों द्वारा गज़ल संध्या और टेरिफिक बैंड का लाइव शो आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, फेस्टिवल में आने वाले पर्यटक ऊंट और घोड़े की सवारी, फूड कोर्ट, क्राफ्ट स्टॉल, फोटो कॉर्नर, देसी और पारंपरिक खेलों जैसे विशेष आकर्षणों के साथ समुद्र तटीय खुशमिजाज माहौल में घूमने-फिरने और खाने-पीने का आनंद ले सकेंगे। 21 तारीख को गोपाल साधु का लोकडायरो होगा।

सुवाली बीच फेस्टिवल के लिए पर्यटक आसानी से आ-जा सकें, इसके लिए गुजरात परिवहन विभाग और बीआरटीएस सेल सूरत नगर निगम द्वारा 20, 21 और 22 दिसंबर को सूरत के विभिन्न 25 रूटों से सुवाली बीच जाने के लिए बस सेवा की व्यवस्था की गई है।

सुवाली बीच कार्यक्रम स्थल पर कोई अनचाहा घटनाक्रम न हो, इसके लिए फायर, लाइफगार्ड, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और स्वास्थ्य टीमों को स्टैंड बाई पर रखा गया है। इसके अलावा, पुलिस विभाग द्वारा ट्रैफिक नियंत्रण के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। विभिन्न पांच पार्किंग प्लॉट भी बनाए गए हैं।

48 करोड़ के खर्च से होगा सुवाली बीच का विकास वन और पर्यावरण मंत्री मुकेश पटेल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सुवाली बीच के विकास के लिए अनुमानित कुल 28 करोड़ रुपये की ग्रांट मंजूर की गई है। इसमें प्रस्तावित सर्किट हाउस, सड़कें, पानी, शौचालय, बिजली सहित विभिन्न सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। SUDA (सूरत अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी) द्वारा पिछले बजट में 20 करोड़ रुपये सुवाली बीच के विकास के लिए मंजूर किए गए हैं। सुवाली बीच का विकास चरणबद्ध तरीके से तीन वर्षों में पूरा किया जाएगा।

विकास कार्यों में सुवाली बीच तक 10 मीटर चौड़ी सड़क बनाई गई है। इसके साथ ही सुवाली बीच पर गेस्ट हाउस और शौचालय भी बनाए जाएंगे। यहां साहसिक खेलों के शौकिनों के लिए एडवेंचर स्पोर्ट्स होंगे, वहीं हस्तशिल्प प्रेमियों के लिए हस्तकला की वस्तुएं, वन विभाग और महिला मंडल के स्टॉल्स भी लगाए जाएंगे। बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। सूरत की स्वादप्रेमी जनता के लिए फूड कोर्ट की व्यवस्था की गई है, जिसमें नागली की वाणगी, डांगी डिश, उंबड़ियु जैसी पारंपरिक डिशेज के साथ 100 फूड स्टॉल और शॉपिंग के लिए क्राफ्ट स्टॉल लगाए जाएंगे। परिवार और दोस्तों के साथ यादें कैप्चर करने के लिए फोटो कॉर्नर (सेल्फी प्वाइंट) और बच्चों के लिए मनोरंजन क्षेत्र बनाए जाएंगे। विशेष रूप से बीच फेस्टिवल में अंतर्राष्ट्रीय काइट फ्लायर और डिजाइनर संस्था 'Fly-365' द्वारा मास अवेयरनेस थीम के साथ काइट फ्लाइंग एक्टिविटी आयोजित की जाएगी। पर्यटक सिर्फ 30 रुपये की टिकट लेकर सुवाली बीच पर बड़ी संख्या में पहुंच सकते हैं, इसके लिए भी व्यवस्था की गई है।

सूरत के होटल में थाईलैंड की सुविधा, देह व्यापार करती 7 विदेशी युवतियां ग्राहकों के साथ पकड़ी गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में स्पा से लेकर होटलों तक देह व्यापार तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी दौरान, उत्तरण क्षेत्र में स्थित पनवेल होटल में देह व्यापार चलने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना के आधार पर छापा मारा गया। छापेमारी के दौरान शारीरिक सुख के लिए आए नौ ग्राहक पकड़े गए। साथ ही, थाईलैंड की 7 युवतियां भी पकड़ी गईं। पिछले कुछ समय से इस होटल में देह व्यापार चल रहा था। पक्की सूचना के आधार पर उत्तरण पुलिस स्टेशन ने सभी को गिरफ्तार किया। फिलहाल, युवतियों को मुक्त कराकर इस रैकेट को चलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

वार्षिक खेलोत्सव "सिटियस-2024" का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विद्या विहार स्कूल में वार्षिक खेलोत्सव "सिटियस-2024" का आयोजन गुरुवार एवं शुक्रवार को किया गया। अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया की खेल महोत्सव का आयोजन अलथान स्थित गोविंदजी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में किया गया। आयोजन की शुरुआत खेल ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके बाद चारों सदन के विद्यार्थियों द्वारा खेल ध्वज को परेड द्वारा सलामी दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा मशाल जलाकर खेलोत्सव की शुरुआत की गई। खेलोत्सव में रस्सी कूद दौड़, बाधा दौड़, टेबल टेनिस, बैडमिंटन आदि खेलों का आयोजन किया गया। आयोजन में गुरुवार को 1992 एवं शुक्रवार को 1392 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को स्वर्ण पदक, रजत पदक एवं कांस्य पदक देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के राजेश पोद्दार, प्रमोद चौधरी, ओमप्रकाश संथोलिया, संजय अग्रवाल, ओमप्रकाश झूनझुनवाला, बालकिशन अग्रवाल सहित अनेकों ट्रस्टी उपस्थित रहें।

नवसारी बार काउंसिल के प्रमुख पद के लिए नेविक पटेल ने 309 मतों से बड़ी जीत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी बार काउंसिल सहित गंधेवी बार काउंसिल की चुनावी प्रक्रिया भी संपन्न हुई। नवसारी बार काउंसिल के अध्यक्ष पद पर नेविक पटेल और अमित कचवे के बीच मुकाबला हुआ था, जिसमें नेविक पटेल ने 309 मतों से जीत हासिल की। उपाध्यक्ष पद पर अपूर्व देसाई और रूपेश शाह विजेता रहे, जबकि संयुक्त सचिव पद पर हितेश कालगुडे निर्विरोध चुने गए।

बार काउंसिल चुनाव में 500 से अधिक मत थे, जिनमें से 443 मतों का मतदान हुआ। नेविक पटेल को 375 वोट मिले, जबकि हारने वाले उम्मीदवार अमित कचवे को 66 वोट मिले। इस प्रकार, नेविक पटेल को 309 मतों की बढ़त से जीत मिली। उनकी जीत के बाद, साथियों वकीलों ने खुशी जताई और गुलाल उड़ाकर तथा ढोल की ताल पर जश्न मनाया।

नेविक पटेल ने अपनी जीत के बाद कोर्ट परिसर में पार्किंग और वकीलों के बैठने की जगह जैसे मुद्दों का समाधान करने की आश्वासन दिया। इसके साथ ही, उन्होंने बताया कि पिछले साल राज्य सरकार के समक्ष बार काउंसिल के नए भवन के निर्माण के लिए प्रस्तुति दी गई थी, जो बजट तक पहुंच चुकी है और जल्दी ही काम शुरू होने की संभावना है।

गंधेवी बार काउंसिल में भी लगभग दस वर्षों के बाद चुनाव हुआ था, जिसमें पंकज मोदी अध्यक्ष के रूप में विजेता रहे और मोहित पटेल उपाध्यक्ष बने।

सूरत नगर निगम के ड्रेनेज कॉन्ट्रैक्टर ने लोगों से घर-घर जाकर 3500 वसूले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम में अब तक केवल कर्मचारियों या कॉर्पोरेटर्स द्वारा लोगों से पैसे वसूलने की शिकायतें आई थीं। लेकिन आज वराछा ज़ोन में नगर निगम के ड्रेनेज कॉन्ट्रैक्टर द्वारा पैसे वसूलने की गंभीर शिकायत सामने आई है। वराछा ज़ोन में एक रिहायशी सोसायटी से कॉन्ट्रैक्टर ने प्रति घर 3500 तक वसूलने की शिकायत की गई है।

ठेकेदार द्वारा वसूली नगर निगम के विपक्षी पार्षद मौके पर पहुंचे और ठेकेदार को बुलाकर लोगों से वसूले गए पैसे वापस करने के लिए अल्टीमेटम दिया। साथ ही चेतावनी दी कि अगर दोबारा ऐसा हुआ तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। हालांकि, ठेकेदार द्वारा इस तरह पैसे वसूले जाने की गंभीर शिकायत से प्रशासन भी हैरान रह गया। सूरत नगर निगम के वराछा ज़ोन के अंतर्गत आने वाली रुपाली सोसायटी में ड्रेनेज लाइन का काम चल रहा है। इस काम के दौरान ठेकेदार द्वारा प्रति घर 2500 से 3500 तक वसूली करने की शिकायत सामने आई है। विपक्षी पार्षद का अल्टीमेटम इस शिकायत के बाद नगर निगम के विपक्षी पार्षद कुंदन कोठिया मौके पर पहुंचे। वे कल रात तुरंत सोसायटी पहुंचे और वहीं पर ठेकेदार को बुलाया गया। उन्होंने ठेकेदार को लोगों से लिए गए पैसे वापस करने के लिए अल्टीमेटम दिया। इसके बाद ठेकेदार ने सभी निवासियों को पैसे वापस कर दिए। साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर दोबारा इस तरह से स्थानीय लोगों से पैसे वसूले गए तो ठेकेदार को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

श्री जीणमाता मंगल पाठ रविवार को

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, माँ जीण परिवार, सूरत द्वारा श्री जीणमाता मंगल पाठ का आयोजन रविवार को किया जाएगा। परिवार के सतीश अग्रवाल एवं मुकेश अग्रवाल ने बताया की इस मौके पर माँ का दरबार सिटी-लाइट के मेंहदीपुर बालाजी मंदिर स्थित श्री जीणमाता मंदिर में सजाया जाएगा। शृंगारित दरबार के समक्ष दोपहर सवा दो बजे से माँ जीण के जीवन चरित्र पर आधारित श्री जीणमाता मंगल पाठ का वाचन प्रेम जोशी द्वारा किया जाएगा।

परिवार के संजय अग्रवाल ने बताया कि पाठ के दौरान माताजी का जन्मोत्सव, गजरा उत्सव, चुनड़ी उत्सव आदि का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन में अखंड ज्योत, महाप्रसाद, छप्पन भोग, आलौकिक श्रृंगार आदि कार्यक्रम भी होंगे।

"नंद घर आनंद भयो..जय कन्हैया लाल की" नंद उत्सव का भव्य आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शुक्रवार को कृष्ण जन्म एवं नन्दोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर पांडाल को सजाया गया। पूरा पांडाल भक्तों से खचाखच भरा हुआ था और सभी भक्तों ने नाच गाकर कन्हैया का स्वागत किया। इस मौके पर जीवंत झांकी का चित्रण किया गया। नंदोत्सव के मौके पर सभी भक्तों को माखन मिश्री, चॉकलेट, खिलौने, लड्डू गोपालजी की पोशाक आदि दी गई।

इसके पूर्व व्यासपीठ से गौरव कृष्ण गोस्वामी महाराज ने कहा की प्रभु भक्त के विश्वास को पूर्ण करते हैं, भक्त के भाव एवं आस्था को केवल प्रभु ही समझ सकते है। इसीलिए मनुष्य को अपना दुख संसार के सामने नहीं केवल प्रभु के सामने ही प्रकट करना चाहिये। प्रभु पालनहार है, वे शरण में आये भक्त के सारे दुखों को हर लेते है। महाराज ने कहा कि जीव को किसी की निन्दा स्तुति करने के बजाय भगवान की ही चर्चा करनी एवं सुननी चाहिये। प्रभु चरित्रों को श्रवण एवं चिंतन करने से भगवान की कृपा निश्चित रूप से प्राप्त होती है। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम, सचिव राजेश दोदराजका, मुख्य यजमान अंचला बनवारीलाल मुरारका सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

आयोजन में शाम साढ़े सात बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार पवन मुरारका के अलावा कोलकाता से आमंत्रित रवि बेरीवाला ने भजनों को प्रस्तुति दी। आयोजन में शनिवार को कोलकाता के जयशंकर चौधरी (गुरुजी) भजनों की प्रस्तुति देंगे।

सूरत में SWIFT कार में धमाके के बाद आग लगी कार में शव बरामद हुआ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है। इसी बीच आज एक विचित्र घटना में कार में धमाके के साथ आग लग गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग लगने के साथ ही कार में जोरदार धमाका हुआ। आग इतनी भयंकर थी कि यार्न के व्यापारी की मौत हो गई। यार्न के व्यापारी दीपक पटेल की इस हादसे में जान चली गई।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। पानी का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया गया। हालांकि, कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फिलहाल आग के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

फायर ऑफिसर ने बताया कि जब हमें कॉल मिला और हम घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक कार लगभग 80% जल चुकी थी। हालांकि, हमने आग पर काबू पा लिया। कार से एक शव बरामद हुआ, जो आभवा गांव के दीपक पटेल का था। प्रारंभिक जांच में कार पेट्रोल या डीजल चालित होने का अनुमान है, यह CNG नहीं थी। कार लाल रंग की स्विफ्ट थी। फिलहाल, मामले की विस्तृत जांच जारी है। पेट्रोल कार में ब्लास्ट के बाद आग, व्यापारी जिंदा जले सूरत के सचिन-मगदल्ला रोड पर दिल दहला देने वाली घटना, आग के बाद चालक बाहर नहीं निकल सके

सूरत के सचिन-मगदल्ला रोड पर एक व्यापारी की कार में ब्लास्ट के बाद आग लग गई, जिससे चालक कार में ही जलकर मर गए। ब्लास्ट के बाद जब आग लगी, तो स्थानीय लोग दौड़कर आए और व्यापारी को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेजी से फैल गई कि लोग पास नहीं जा सके और चालक कार के अंदर ही जलकर मर गए। मृतक चालक दीपक पटेल थे, जो कार के ले-वेच के व्यवसाय से जुड़े थे और आभवा गांव के निवासी थे। जिस कार में आग लगी, वह पेट्रोल कार थी। अब, कार में ब्लास्ट और आग लगने के कारणों की जांच एफएसएल द्वारा की जा रही है।

यह दुर्घटना सचिन-मगदल्ला रोड पर हुई थी। कार में बैठे आभवा गांव के दीपक पटेल (उम्र 42), जो कार के ले-वेच के व्यवसाय से जुड़े थे, आग की चपेट में आ गए। घटना के समय स्थानीय लोगों ने कार से ब्लास्ट की आवाज सुनी और तुरंत कार से धुआं निकलता देखा। आग इतनी भयंकर थी कि दीपक पटेल को बाहर निकालने का कोई प्रयास सफल नहीं हो सका। दीपक पटेल कार में ही जलकर मर गए। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दीपक पटेल कार में अकेले थे। ब्लास्ट के बाद कार तेजी से आग की लपटों में घिर गई। सड़क से गुजर रहे लोग और पास के इलाके के निवासी आग बुझाने और दीपक भाई को बचाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि वे कार तक पहुंच नहीं सके।